आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शनिवार 20 दिसंबर 2025

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 47

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

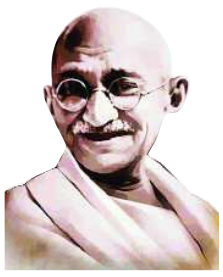

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

इंदौर में पारा 4.1 डिग्री तक गिरा

पेज-2

अंकिता लोखंडे ने पुराने दौर को याद किया

पेज-5

विजयवर्गीय ने की दिग्विजय की तारीफ

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- कोहरे की वजह से दिल्ली एयरपोर्ट पर अब तक 129 उड़ानें रद्द
- मलयालम सिनेमा के दिग्गज अभिनेता-लेखक-निर्देशक श्रीनिवासन का निधन
- असम में राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से 8 हाथियों की मौत, ट्रेन के 5 डिब्बे पटरी से उतरे
- एअर इंडिया के पायलट पर यात्री के साथ मारपीट का आरोप, पायलट सस्पेंड
- पुंछ में नॉर्दर्न आर्मी कमांडर ने काउंटर-टेररिज्म तैयारियों का जायजा लिया
- अमेरिकी सेना ने सीरिया में आईएसआईएस के खिलाफ शुरू किया ऑपरेशन हॉकआई
- प्रधानमंत्री मोदी आज बंगाल जाएंगे, दो नेशनल हाइवे प्रोजेक्ट की करेंगे शुरुआत
- नेशनल हेराल्ड केस में दिल्ली हाईकोर्ट पहुंची ईडी, ट्रायल कोर्ट के आदेश को दी चुनौती
- जम्मू-कश्मीर के राजौरी में सुरक्षा बलों ने आतंकियों के गुप्त ठिकाने का भंडाफोड़ किया
- टीएमसी ने भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय के खिलाफ पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

वाह क्या सीन है...

स्पीकर की चाय को राहुल की ना लेकिन प्रियंका गांधी की हां

नई दिल्ली (एजेंसी) ● संसद के शीतकालीन सत्र के समापन का सीन इस बार कुछ अलग नजर आया। प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ ठहाके लगाए और सोनिया गांधी भी बीजेपी सांसद के साथ चाय पार्टी में नजर आईं। 'वीबी- जी राम जी' बिल पर सदन में टकराव के बाद ऐसी उम्मीद नहीं थी कि स्पीकर की चाय पार्टी में कांग्रेस सांसदों में इतनी गर्मजोशी नजर आएगी। कांग्रेस सांसदों की मानें तो इस बार सदन में पिछली बार के मुकाबले हालत काफी जुदा थे। इस बार विपक्ष को भी अपनी बात रखने का मौका दिया गया। ऐसे में विपक्ष में वो नराजगी नजर नहीं आई, जो पिछले संसद सत्र के दौरान दिखी थी। कांग्रेस सूत्रों से जब स्पीकर ओम बिरला की चाय पार्टी के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने बताया, 'मल्लिकार्जुन खरगे जी ने तय किया कि हम अध्यक्ष और सभापति द्वारा आयोजित पारंपरिक चाय पार्टी में शामिल हों, क्योंकि हम विधेयक पर सरकार की कार्रवाई के खिलाफ हैं, लेकिन सभापति थोड़ा उदार थे। यह पिछले मानसून सत्र जैसा नहीं था, जहां विपक्ष को बोलने की अनुमति नहीं दी गई थी। दरअसल, पिछले सत्र में विपक्ष ने स्पीकर की चाय पार्टी का बहिष्कार किया था। राहुल गांधी की ग़ैरमौजूदगी में कांग्रेस की नुमाइंदगी उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा ने की।

प्रदेश संगठन की गाईड लाइन, श्रवण चावड़ा ने किया साइड लाइन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन द्वारा तय पार्टी गाइडलाइन के हिसाब से आठ उपाध्यक्ष, आठ मंत्री, तीन महामंत्री और एक-एक कोषाध्यक्ष व कार्यालय मंत्री के पद अहम थे। बाकी एक मीडिया प्रभारी, एक आईटी प्रभारी व एक सोशल मीडिया प्रभारी का पद बनाया गया था। इस तरह कुल 24 पद थे। यानी महिलाओं को सात से आठ पद मिलने थे। इसक बवजूद, बीजेपी ग्रामीण जिला कमेटी इंदौर में उपाध्यक्ष पद पर लीला संतोष पाटीदार नियुक्त किया गया है। साथ ही, मंत्री पद पर कुसुम रूपसिंह चौहान व उषा लोकेंद्र सिंह पंवार को नियुक्त किया गया है।

गौरतलब है कि इंदौर बीजेपी की ग्रामीण जिला कमेटी मंगलवार 16 दिसंबर को घोषित हुई थी। इसमें मंत्री तुलसी सिलावट के साथ ही मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के समर्थकों को खासी जगह मिली है। वहीं, इसमें महू विधायक उषा ठाकुर और देपालपुर विधायक मनोज पटेल के समर्थकों के हाथ ज्यादा कुछ नहीं लगा था।

इससे अंदरूनी नाराजगी शुरू हो चुकी है। वहीं इस कमेटी में पार्टी ने अपनी ही लाड़ली

बहनों/नेत्रियों को दरकिनार कर दिया है। केवल तीन महिलाओं को ही जगह मिली है। जबकि बात 33 प्रतिशत पद देने की थी। वहीं जिन्हें पद दिया गया, उनकी जगह पति दावेदार थे। इसके बवजूद, उन्हें जगह नहीं दे पाए तो पत्नी को पद देकर संतुष्ट किया गया है। कहने को सह कोषाध्यक्ष पद पर पिंकी रोहित मंडलोई और सह आईटी प्रभारी के तौर पर मोनिका अभिलेष ठाकुर को भी जगह दी है। वहीं, यह सह प्रभार पार्टी गाइडलाइन से तय कोई औपचारिक पद नहीं है।

यह सभी ग्रामीण नेत्रियां थीं दावेदार : ग्रामीण में कई महिला नेत्रियां हैं जो खासी सक्रिय हैं और कमेटी में दावेदार थीं। जैसे किरण सूर्यवंशी, आरती शर्मा, हेमलता नागर, भारती पाटीदार, कृष्णा विजयवर्गीय, बबीता शर्मा, संगीता कौलते व अन्य। इन सभी की दावेदारी को दरकिनार कर दिया गया है। वहीं जिन्हें जगह भी मिली तो वह खुद कम सक्रिय हैं और पति अधिक सक्रिय हैं। ऐसे में ग्रामीण विधानसभाओं में महिलाओं को पार्टी अपनी ओर कैसे जोड़ेगी यह बड़ी चुनौती होगी।

इधर उषा और मनोज नाराज : इस कार्यकारिणी से महू विधायक उषा ठाकुर और देपालपुर विधायक मनोज पटेल खासे नाराज हैं। महू में उषा की ज्यादा नहीं चली और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के समर्थक अधिक आए। जबकि उषा और कैलाश विजयवर्गीय के बीच में पटरी नहीं बैठ रही है। वहीं खुद जिलाध्यक्ष श्रवण चावड़ा देपालपुर के हैं और निश्चित तौर पर नजरें अगले विधानसभा चुनाव 2028 में टिकट पर होंगी। ऐसे में यहीं से लगातार चुनाव लड़ रहे हैं। अभी विधायक मनोज पटेल को काटने में कसर नहीं रखी गई है। उनके समर्थकों को कोई खास तवज्जो नहीं मिली है।

सक्रिय सदस्य बने बिना ही बना दिया पदाधिकारी

दरअसल उपाध्यक्ष बनी लीला की जगह उनके पति संतोष पाटीदार अधिक सक्रिय हैं। यह मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के करीबी हैं। वहीं, जब उन्हें समायोजित नहीं किया जा सका तो पत्नी के नाम पर पद दिया गया था। इसी तरह रुपसिंह चौहान को पद मिलना था, लेकिन पत्नी कुसुम को लिया गया था। उन्होंने तो जिलाध्यक्ष श्रवण चावड़ा को लिखकर ही दे दिया है कि उनकी जगह किसी और को पद दे दिया जाए। यह कहा है कि मेरी पत्नी सक्रिय सदस्य नहीं हैं। उनका स्वास्थ्य भी ठीक नहीं रहता है। ऐसे में वह काम नहीं कर सकेंगी। उनकी जगह किसी अन्य को जगह दे दी जाए।

2026 मध्यप्रदेश में सरकारी नौकरियों का रहेगा साल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मप्र लोक सेवा आयोग और मप्र कर्मचारी चयन मंडल ने अगली साल होने वाली भर्ती परीक्षाओं की तैयारी शुरू कर दी है। कर्मचारी चयन मंडल और मप्र लोक सेवा आयोग ने भर्तियों का संभावित परीक्षा कैलेंडर भी जारी कर दिया है। इसके मुताबिक एमपी-पीएससी अगले साल 10 भर्ती परीक्षा कराने जा रहा है। इनमें सबसे अधिक भर्तियां सहायक प्राध्यापक के पद पर होंगी। वहीं कर्मचारी चयन मंडल 11 भर्ती परीक्षाएं कराएगा। इन परीक्षाओं से 1 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां मिलेंगी। गौरतलब है कि मप्र सरकार ने ढाई लाख पदों को भरने का टारगेट सभी विभागों को दिया है। इसके तहत प्रदेश के सभी विभागों के खाली पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। कर्मचारी चयन मंडल और मप्र लोक सेवा आयोग ने साल 2025 की शुरुआत से भर्ती परीक्षा कराने की तैयारी शुरू की थी। पिछले परीक्षा कैलेंडर की कई परीक्षाएं साल के अंत तक नहीं हो पाई हैं। इसको देखते हुए अगले साल कर्मचारी चयन मंडल और मप्र लोक सेवा आयोग सभी परीक्षाओं को समय पर कराने की तैयारी कर रहा है। पिछले साल की बची भर्ती परीक्षाओं के साथ ही अन्य भर्ती परीक्षाओं को जोड़कर आगामी साल का परीक्षा कैलेंडर जारी किया गया है।

2025 की लंबित परीक्षाओं की तिथियां भी घोषित

कैलेंडर में वर्ष 2025 की कुछ परीक्षाओं की तिथियां भी शामिल की गई हैं। सहायक प्राध्यापक (कंप्यूटर साइंस) परीक्षा 2025 का आयोजन 4 जनवरी 2026 को किया जाएगा। वहीं उप संचालक प्राचार्य (वर्ग 2) एवं सहायक संचालक (तकनीकी) परीक्षा 2025 22 फरवरी 2026 को तथा राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा 22 मार्च 2026 को प्रस्तावित है।

भोपाल मेट्रो को आज मोहन यादव दिखाएंगे हरी झंडी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● राजधानी को आठ साल के इंतजार के बाद आज मेट्रो की सेवा मिलने जा रही है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शाम 5.10 बजे सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन से भोपाल मेट्रो को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके बाद दोनों नेता मेट्रो में सवार होकर शाम 5.15 बजे एम्स मेट्रो स्टेशन पहुंचेंगे, जहां स्वागत कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव संबोधित करेंगे। इससे पहले शाम 4 बजे मिंटो हाल में भोपाल मेट्रो का लोकार्पण समारोह आयोजित होगा। शाम 4.45 बजे औपचारिक लोकार्पण किया जाएगा। कार्यक्रम में देश के कई वरिष्ठ और प्रमुख नेता शामिल होंगे। 21 दिसंबर से शहर के नागरिक मेट्रो में सफर कर सकेंगे। भोपाल मेट्रो सुबह 9 बजे से शाम 7 बजे तक संचालित होगी। लोगों को भोपाल मेट्रो में यात्रा करने के लिए पहले दिन से ही किराया चुकाना होगा। किराया 20 रुपये से शुरू होगा। तीन से पांच स्टेशन का किराया 30 रुपये तथा एम्स से सुभाष नगर तक का किराया 40 रुपये तय किया गया है। दिनभर में मेट्रो कुल 17 फेरे लगाएगी, जिनमें सुभाष नगर से आठ और एम्स स्टेशन से नौ फेरे होंगे। इसके लिए भोपाल मध्य प्रदेश मेट्रो कॉर्पोरेशन भोपाल ने भोपाल मेट्रो का शेड्यूल भी जारी कर दिया है। खास बात यह है कि एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन पहुंचने में मेट्रो को महज 3 से 4 मिनट ही लगेंगे। मेट्रो 75 मिनट के अंतराल पर चलेगी और इसकी अधिकतम गति 40 किलोमीटर प्रति घंटा होगी।

संतोष वर्मा के बाद एक और आईएएस ने दिया विवादित बयान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश में प्रशासनिक अधिकारियों से जुड़े विवादों में एक और मामला जुड़ गया है। आईएएस संतोष वर्मा द्वारा सवर्णों की बेटियों को लेकर दिए गए अभद्र बयान के बाद 2013 बैच की आईएएस अधिकारी मीनाक्षी सिंह के एक बयान ने प्रदेश का सियासी पारा चढ़ा दिया है। आईएएस मीनाक्षी सिंह द्वारा राजधानी भोपाल स्थित अंबेडकर पार्क में आयोजित अजाक्स संगठन के सम्मेलन में दिए गए संबोधन का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें वे कह रहीं हैं- आज के समय में जातिगत पहचान और जातिवादी सोच की बड़ी जरूरत है। सवर्ण समाज के लोग उपनाम (सरनेम) देख-देखकर पक्षपात करते हैं। इसके अलावा भी वे बहुत कुछ कहती नजर आ रही हैं। इस बयान का वीडियो वायरल होने के बाद विवाद खड़ा हो गया है।सवर्ण समाज के संगठनों ने इस पर आपत्ति जताई है। वायरल वीडियो में आईएएस मीनाक्षी सिंह कहती सुनाई दे रहीं हैं- ' 'परिवार समाज को जोड़ने की पहली कड़ी होता है। हमें अपने बच्चों को यह बताना जरूरी है कि वे आदिवासी हैं या एससी हैं, उनकी जाति क्या है। आज के दौर में जातिगत पहचान और जातिवादी सोच सबसे बड़ी जरूरत बन चुकी है।

शेष बचे 12 दिन... साल 2025 की यादें होगी ताजा 'दैनिक इंदौर संकेत' के साथ

इंदौर ● दैनिक इंदौर संकेत। इंदौर लगातार 8वीं बार (स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 के अनुसार) देश का सबसे स्वच्छ शहर बन गया है, यह एक बड़ी उपलब्धि है जो शहर के नागरिकों, नगर निगम और सफाई कर्मचारियों के अथक प्रयासों और सामुदायिक भागीदारी को दर्शाती है, जिसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यह पुरस्कार प्रदान किया है।

कर्ज का जाल राज्य पर कुल कर्जा हुआ 4.65 लाख करोड़ रुपया

प्रदेश का कर्ज राज्य के 4.2 लाख करोड़ रुपये के बजट से अधिक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● पिछले लगभग दो वर्षों में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा लिया गया औसत ऋण प्रतिदिन 125 करोड़ रुपये से अधिक था। यह मुद्दा तब सामने आया जब सरकार ने 13 दिसंबर को अपने कार्यकाल के दो वर्ष पूरे किए। राज्य सरकार का कुल कर्ज 4.65 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। राज्य का कर्ज उसके वार्षिक बजट से कहीं अधिक है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए राज्य का बजट 4.21 लाख करोड़ रुपये था, जो राज्य के कुल 4.65 लाख करोड़ रुपये से अधिक के कर्ज से कम था। सरकार का कहना है कि वह राज्य में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए ऋण लेती है और आगे भी लेती रहेगी। सरकार ऋण लेने से पहले हर बार अपने राजपत्र में यह उल्लेख करती है कि 'यद्यपि राज्य सरकार की भौतिक संपत्तियों के मूल्य का कोई वास्तविक आकलन नहीं किया गया है, फिर भी यह सुरक्षित रूप से माना जा सकता है कि यह राज्य की बकाया देनदारियों से कहीं अधिक है'।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि हमारी सरकार के गठन के बाद से पिछले दो वर्षों में हमारी विकास दर लगभग 14-15 प्रतिशत रही है। ऋण के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि एक बात तो तय है कि ऋण राज्य के बजट से अधिक हो गया है। राज्य सरकार पर सबसे अधिक वित्तीय बोझ डालने वाली योजनाओं में से एक है लाडली बहना योजना। लाडली बहना योजना के तहत मासिक भुगतान को 1250 रुपये से बढ़ाकर 1500 रुपये कर दिया गया है, जिसके चलते अब इस योजना के लिए प्रति माह 300 करोड़ रुपये से अधिक की आवश्यकता है। पहले लाडली बहना योजना के तहत मासिक भुगतान के लिए 1540 करोड़ रुपये से अधिक की आवश्यकता होती थी, जिसे अब बढ़ाकर 1850 करोड़ रुपये कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने लाडली बहना योजना की लाभार्थी महिलाओं को 5000 रुपये प्रति माह देने की इच्छा भी व्यक्त की है, हालांकि इसके लिए कोई समय सीमा घोषित नहीं की गई है।

जिले से नवंबर में सीएम हेल्पलाइन पर मिली 84 शिकायतें, प्रदेशभर से 3106,6 जिलों की वजह से विभाग की ग्रेडिंग हो रही है प्रभावित

सीएम हेल्पलाइन : इंदौर-जबलपुर की बी और भोपाल-ग्वालियर की सी ग्रेडिंग, जबकि ए ग्रेडिंग वाले 18 जिले

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● स्वच्छता के मामले में भले ही इंदौर नंबर बन हो लेकिन विद्यार्थियों की शिकायतों के तत्काल समाधान के मामले में वह पीछे ही है। सीएम हेल्पलाइन की नवंबर माह की जारी रैंकिंग में इंदौर की ग्रेडिंग बी रही। हालाकि जबलपुर भी बी कैटेगरी में ही रहा, लेकिन भोपाल और ग्वालियर की ग्रेडिंग सी रही। इंदौर में नवंबर माह में 84 शिकायतें मिली, जबकि उच्च शिक्षा विभाग को पूरे प्रदेश से 3106 शिकायतें मिली।

बंद शिकायतों का वेटेज स्कोर 60 प्रतिशत: इंदौर से मिली नवंबर माह में कुल 84 शिकायतों में संतुष्टि के साथ बंद शिकायतों का वेटेज स्कोर (60 प्रतिशत) 36.43 रहा, वहीं प्रदेशभर का 35.51 रहा। 50 दिन से अधिक लंबित शिकायतों का बेटेन स्कोर (10) प्रतिशत) 7.46 प्रतिशत, जबकि प्रदेशभर का 6.43 रहा। निम्न गुणवत्ता से बंद शिकायतों का वेटेज स्कोर (10 प्रतिशत) 9.25 और प्रदेशभर का 9.58 रहा। नॉट अटेंडेंट शिकायतों का वेटेज स्कोर (10 प्रतिशत) 10 और प्रदेशभर का 9.91 रहा। मान्य हेतु लंबित शिकायतों का वेटेज स्कोर (10 प्रतिशत) 10 और प्रदेशभर का 6.36 रहा। इस तरह कुल प्राप्त वेटेज स्कोर (100 प्रतिशत) इंदौर का 73.14 और प्रदेशभर का 67.79 रहा।

6 जिलों की वजह से ग्रेडिंग हो रही प्रभावित: जिलों की वजह से विभाग की रोडिंग प्रभावित हो रही है। दरअसल सीधी, सतना, दमोह, सिंगरोली, भिंड और उमरिया की जिले डी ग्रेड में है। जिलेवार बात की जाए तो ए रोडिंग वाले 18, बी ग्रेडिंग वाले 19, सी ग्रेडिंग वाले 11 जिले शामिल है। संलग्न अविकारी बहुत दिनों तक लॉगइन नहीं करने के कारण शिकायत अगले लेवत पर पहुंच जाती है जिससे निगेटिव मार्किंग से विभाग की ग्रेडिंग प्रभावित होती है। यदि किसी शिकायत में शिकायतकर्ता द्वारा न्याखलय में भी शिकायत के संबंध में याचिका दर्ज की है तो ऐसी शिकायतों को फोर्स क्लोज किया जा सकता है। हर दिन कॉलेज सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर लॉगइन करें।

अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा सकती है-मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी डॉ. के. के. कुम्भारे ने स्पष्ट कहा है कि नवंबर की ग्रेडिंग में अक्टूबर जैसी स्थिति नहीं बने इस थात का ध्यान रखा जाए नहीं तो एल-1, एल-2, एल-3 अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा सकती है। खासकर ही और सी ग्रेडिंग प्राप्त जिले व विश्वविद्यालय। शिकायतों को निराकरण संतुष्टिपूर्वक करें।

न्यूज ब्रीफ

अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के 266 पीडितों को एक वर्ष में 3 करोड़ 10 लाख 87 हजार रूपए की दी गई सहायता

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जनजातीय कार्य विभाग इंदौर द्वारा अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम-1989 अंतर्गत जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की चतुर्थ त्रैमास की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने जिला लोक अभियोजन विभाग की जानकारी संज्ञान में लेते हुए पीडितों द्वारा अपराधियों संग राजीनामा किये जाने पर अप्रसन्नता व्यक्त की गई है। कलेक्टर द्वारा निर्देश दिये गये कि पीडितों को किसी भी प्रकार का राजीनामा हेतु प्रलोभन या डराया धमकाया जाता है तो इसकी सूचना तत्काल उच्च अधिकारियों को की जाये। अजाक थाना नगरीय एवं ग्रामीण में जाति प्रमाण पत्रों के अभाव में लंबित प्रकरणों पर तत्काल थाना क्षेत्रों के एसडीएम से संपर्क कर पीडितों के जाति प्रमाण पत्र बनवाये जाने हेतु दिशा-निर्देश जारी किये गये।

कैलिफ़ोर्निया बादाम के साथ क्रिसमस के हर पल को खास बनाएं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● क्रिसमस बस आने ही वाला है, जो अपने साथ एक्साइटमेंट, गर्मजोशी और फेस्टिव माहौल का वादा लेकर आ रहा है। यह मौसम हमें ऐसे फ्लेवर का मज़ा लेने के लिए प्रेरित करता है जो खुशी देते हैं, साथ ही यादगार पलों को संजोने का मौका भी देते हैं। इस साल, कैलिफ़ोर्निया बादाम की पौष्टिक अच्छाई के साथ अपने हॉलिडे मील और गिफ्ट देने की परंपराओं को और भी खास बनाएं। इनमें 15 ज़रूरी पोषक तत्व होते हैं, ये खाने में क्रंची लगते हैं, साथ ही दिल की सेहत को बढ़ावा देते हैं, लंबे समय तक एनर्जी देते हैं और भूख को कंट्रोल करने में मदद करते हैं, खासकर ऐसे समय में जब दावतें, मिलन-समारोह और यात्राएं लगातार चलती रहती हैं।

रिलेक्सो ने ईज़मायट्रिप के साथसाझेदारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारत में गुणवत्तापूर्ण फुटवियर के सबसे बड़े निर्माता रिलेक्सो फुट वियर्स लिमिटेड ने देश के अग्रणी ऑनलाईन ट्रैवल-टेकप्लेट फॉर्म्समें से एकईज़माय ट्रिप के साथ साझेदारी में एकरोचक विंटरकैंपेन 'बाय एंड फ्लाय' की घोषणा की है। इस कैंपेन का उद्देश्य छुट्टियों के इस सीज़न रोज़मर्रा की खरीददारी और यात्रा की खुशियोंको एक साथ लाना है। 15 दिसम्बर से 18 जनवरी तक चलने वाला यह कैंपेनरिलेक्सो के 413 एक्सक्लुज़िव ब्राण्ड आउटलेट्स परलाईव होगा, जिसकेतहत स्टोरमें फुटवियर खरीदने वाले उपभोक्ता लाभ उठा सकेंगे।

भारत के दिल में फ्लिपकार्ट फेस्टिव सप्लाई चेन की दस्तक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारत के घरेलू ई-मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने आज 2025 के त्योहारी सीजन से संबंधित प्रमुख उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। इसमें विस्तार, गति और सामाजिक प्रभाव से जुड़े आंकड़े सामने रखे गए। फ्लिपकार्ट ने अपने मजबूत लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के दम पर बिग बिलियन डेज सेल इवेंट आयोजित किया, जिसमें रिकॉर्ड संख्या में और तेजी से डिलीवरी की गई। इससे क्षेत्रीय स्तर पर इसकी पहुंच भी बढ़ी। इस दौरान 4 लाख से ज्यादा सीजनल रोजगार का सृजन हुआ, ऑर्डर के दिन (सेम डे) / अगले दिन (नेक्स्ट डे) डिलीवरी में 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई और टियर 2 व 3 शहरों से जबर्दस्त मांग देखी गई। इस तेजी के साथ फ्लिपकार्ट के सप्लाई चेन ने भारत की त्योहारी तेजी में टेक्नोलॉजी एवं लोगों को केंद्र में रखा। व्यस्ततम दिनों (पीक डेज) में फ्लिपकार्ट ने हर मिनट 5,000 से ज्यादा शिपमेंट मूव किए।

शहरी विकास मंत्रियों की क्षेत्रीय बैठक भोपाल में आज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● केन्द्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के तत्वावधान में शहरी विकास मंत्रियों की क्षेत्रीय बैठक (उत्तरी एवं मध्य राज्य) शनिवार, 20 दिसंबर को कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र, भोपाल में आयोजित हो रही है। बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रमुख शहरी विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये केंद्र एवं राज्य सरकारों के बीच सहयोग और समन्वय को सुदृढ़ करना है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने बताया कि यह बैठक राज्यों को योजना-वार प्रगति प्रस्तुत करने, क्रियान्वयन से जुड़ी समस्याओं को साझा करने, श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान तथा मंत्रालय से नीतिगत एवं रणनीतिक मार्गदर्शन प्राप्त करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगी।

क्षेत्रीय बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल और प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की उपस्थिति रहेगी। इसके साथ ही छत्तीसगढ़, दिल्ली, राजस्थान एवं उत्तरप्रदेश के शहरी विकास मंत्री एवं राज्यमंत्री, भारत सरकार एवं राज्यो के वरिष्ठ अधिकारी बैठक में सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण स्वच्छ सर्वेक्षण वर्ष 2025-26 के लिए कार्य-दिशा पुस्तिका का विमोचन होगा। इस संबंध में नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे ने बताया कि यह कार्य-दिशा पुस्तिका स्वच्छता, स्थायित्व तथा नागरिक-केंद्रित शहरी प्रशासन को और अधिक सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत निर्माणाधीन एवं स्वीकृत आवासों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी तथा लाभार्थियों को समय पर आवास उपलब्ध कराने में आ रही समस्याओं के समाधान पर विचार किया जाएगा। अंगीकार अभियान की वर्तमान स्थिति, उपलब्धियों एवं चुनौतियों की समीक्षा करते हुए अभियान को अधिक प्रभावी एवं जनसहभागिता आधारित बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश तय किए जाएंगे। सत्र में शहरी परिवहन व्यवस्था के अंतर्गत नगर बस सेवाओं, भूमिगत रेल प्रणाली तथा पैदल मार्गों से संबंधित आवागमन व्यवस्था की समीक्षा की जाएगी।

बैठक में पाँच सत्रों में महत्वपूर्ण विषयों पर होगी चर्चा

बैठक के दौरान पाँच सत्रों में शहरी विकास से जुड़े प्रमुख विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इन सत्रों के माध्यम से केंद्र एवं राज्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा और योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही व्यवहारिक चुनौतियों का समाधान निकाला जा सकेगा। अमृत योजना के अंतर्गत संचालित एवं प्रस्तावित कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता तथा समयबद्ध पूर्णता से संबंधित विषयों पर विचार किया जाएगा। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये आवश्यक सुधारात्मक कदमों पर भी मंथन होगा। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत डंप स्थलों के वैज्ञानिक प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट निपटान तथा स्वच्छता से जुड़ी चुनौतियों पर मंथन होगा। स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

सिंहस्थ तैयारी : प्रयागराज से आए दल ने किया दौरा, गुम या बिछड़े लोगों को मिलाने में रहेगी भूमिका

हर बिजली पोल पर रहेगा क्यूआर कोड, सही लोकेशन बताएगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रयागराज मेला क्षेत्र में सेवाएं देने वाला मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड लखनऊ का तीन सदस्यी दल मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर क्षेत्र के भ्रमण पर आया। दल ने इंदौर, उज्जैन, ओंकारेश्वर का विस्तार से भ्रमण किया। दल ने मेला क्षेत्र में क्यूआर कोड सहित लगने वाले बिजली पोल की खूबियां भी बताई।

प्रयागराज से आए दल में महाकुंभ में बिजली सेवाएं देने वाले वरिष्ठ अधिकारी मनोज गुप्ता, प्रवीणकुमार सिंह, अनूप कुमार सिन्हा शामिल रहे। इन्होंने प्रयागराज महाकुंभ मेले की व्यवस्थाओं संबंधी नॉलेज शेयरिंग की। दल ने शुक्रवार अपराह्न पोलोग्राउंड स्थित बिजली कंपनी मुख्यालय में दिए प्रस्तुतिकरण में बताया कि मेला क्षेत्र में लगे बिजली पोल बिछुड़े या खोए लोगों बच्चों को मिलाने के लिए कार्य भी करते हैं।

इसकी लोकेशन, नंबरिंग, क्यूआर कोड से सही लोकेशन का एकदम पता लगाया जा सकता है। प्रयागराज कुंभ में बीस हजार पोल पर स्पारल लाइटिंग लगाई गई थी, जिससे चारो ओर रोशनी हुई। सूचना पट भी सभी दिशाओं से स्पष्ट दिखे। हर सेक्टर में एक-एक इंजीनियर को प्रभारी बनाया गया था। साथ ही गंगा नदी के पीपापुल के पास, 25 किमी दूर तक की पार्किंग क्षेत्र की लाइटिंग, 20 किमी क्षेत्र में नदी के पास की लाइटिंग व अन्य महत्वपूर्ण व्यवस्था जुटाने के तौर तरीके बताए गए।

प्रयागराज से आए दल ने सिंहस्थ 28 के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। बैठक के दौरान कर्मचारियों के सवालों का जवाब भी दिया ताकि प्रयागराज जैसी सुविधाओं को सिंहस्थ में भी अपनाया जा सके। प्रयागराज के दल का स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक प्रकाशसिंह चौहान, कार्यपालक निदेशक गजरा मेहता, मुख्य अभियंता एसएल करवाड़?या, एससी वर्मा, अचल जैन, संजय मालवीय, पवन जैन, सीए ठकार आदि मौजूद थे।

भाजपा पार्षद का चुनाव शून्य घोषित करने का फैसला हाईकोर्ट ने पलटा, कायम रहेगी पार्षदी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के वार्ड 44 से चुनाव जीतीं निशा देवलिया के चुनाव को शून्य घोषित करने का निचली कोर्ट का फैसला हाईकोर्ट ने पलट दिया है। उनका पार्षद पद बरकरार रहेगा। दो साल पहले जिला कोर्ट ने उनका चुनाव अवैध घोषित कर दिया था। इस फैसले को निशा ने हाईकोर्ट में याचिका लगाकर चुनौती दी थी।

हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने शुक्रवार को भाजपा पार्षद निशा रूपेश देवलिया के पक्ष में निर्णय दिया। हाईकोर्ट ने न केवल जिला कोर्ट का पार्षद का निर्वाचन शून्य घोषित करने का आदेश रद्द कर दिया, बल्कि कांग्रेस प्रत्याशी को विजेता घोषित करने के फैसले को भी

खारिज कर दिया।

यह था मामला-तीन साल पहले इंदौर नगर निगम के वार्ड 44 से निशा देवलिया ने कांग्रेस उम्मीदवार नंदनी मिश्रा को चुनाव हराया था। मिश्रा ने जिला कोर्ट में चुनाव के दौरान संपत्ति के ब्यौरे को लेकर याचिका दायर कर निर्वाचन शून्य घोषित करने की मांग की थी। यह कहा गया कि देवलिया ने चुनाव के नामांकन पत्र के साथ हलफनामे में अपनी आवासीय संपत्ति का जिक्र किया है, जबकि संपत्ति का व्यावसायिक उपयोग हो रहा है।

इसके अलावा एक मकान का क्षेत्रफल भी कम बताया गया था। हाईकोर्ट ने माना कि जिन तथ्यों को आधार बनाकर देवलिया का निर्वाचन शून्य घोषित किया गया। वे ठीक नहीं हैं। निशा पहले भी वार्ड 44 से पार्षद रह चुकी है। वे दूसरी बार चुनाव जीती थी, लेकिन कोर्ट के फैसले के बाद फिर उनकी पार्षदी बरकरार रहेगी।

शिक्षकों के लिए विशेष कार्यशाला : 'द चाइल्ड यूसीएंड द चाइल्ड यू डोंट पर जागरूकता सत्र आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● समावेशी और संवेदनशील शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, विद्यासागर स्कूल में हाल ही में शिक्षकों के लिए 'द चाइल्ड यू सी एंड द चाइल्ड यू डोंट' विषय पर वर्कशॉप आयोजित हुई जिसे चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट डॉ विनी झारिया ने लिया । इस दौरान स्कूल की प्रिंसिपल भावना पुजारी भी उपस्थित रहीं । वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को इस वास्तविकता के प्रति संवेदनशील बनाना था कि बच्चों के गिरते प्रदर्शन या व्यवहार में बदलाव का कारण केवल 'अनुशासन की कमी' नहीं होता। डॉ. झारिया ने बताया कि शिक्षक ही छात्र के जीवन में 'पहले और सबसे महत्वपूर्ण पर्यवेक्षक' होते हैं। यदि शिक्षक समय रहते 'रेड फ्लैग्स' (शुरुआती संकेतों) को पहचान लें, तो वे न केवल बच्चे के शैक्षणिक भविष्य को बचा सकते हैं, बल्कि उनके आत्मविश्वास और मानसिक स्वास्थ्य की भी रक्षा कर सकते हैं। डॉ. झारिया ने ऑटिज्म, एडीएचडी, डिस्लेक्सिया और डिस्ग्राफिया जैसी सीखने की चुनौतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। स्कूल में एक ऐसा सहायक वातावरण तैयार किया जाएगा जहाँ किसी भी बच्चे की क्षमता को सिर्फ इसलिए खोने नहीं दिया जाएगा।

इंदौर में पारा 4.1 डिग्री तक गिरा दिसम्बर में सबसे कम तापमान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में दिन में भले ही सामान्य से एक डिग्री तापमान ज्यादा रहा, लेकिन रात में कड़ाके की ठंड पड़ी। प्रदेश के एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी से भी ज्यादा न्यूनतम तापमान इंदौर का रहा। गुरुवार रात शहर का न्यूनतम तापमान 4.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस वर्ष के दिसम्बर माह का यह सबसे न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

सामान्यत: यह माना जा है कि अच्छी बारिश हुई है तो ठण्ड भी अधिक रहेगी, इस साल जून से अक्टूबर माह के अंत तक बारिश होती रही। नवंबर माह अपने साथ ठंड को लेकर ही आया। पिछले महीने 15 नवम्बर को न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था जो दशक का नवम्बर का सबसे ठण्डा दिन था।

मौसम विभाग के अनुसार दिसम्बर माह में अभी तक बीते सभी दिनों में न्यूनतम तापमान

सामान्य से लगातार कम ही दर्ज हो रहा है। दिसम्बर में चल रही शीत लहर से लग रहा है कि कही 27 दिसम्बर 1936 का रिकॉर्ड 1.1 डिग्री सेल्सियस का रिकार्ड न टूट जाए। इसी वर्ष 11 दिसंबर को न्यूनतम तापमान 4. 5 डिग्री सेल्सियस दर्ज गया था तभी से यह अहसास हो गया था कि ठण्ड इस साल कोई नया रिकार्ड ही कायम करेगी। पिछली रात इंदौर पचमढ़ी से अधिक ठंडा रहा। प्रदेश ने न्यूनतम तापमान वाले नगरों में इंदौर 4.1 डिग्री सेल्सियस के दूसरे स्थान पर था।पहले स्थान पर शिवपुरी था, जहां 4 डिग्री तापमान रहा जबकि पचमढ़ी में न्यूनतम तापमान 5. 6 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार रात में ठंडी हवा की गति अधिक रह रही। बीती रात हवा की गति 11 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार थी ,दृश्यता 1500 मीटर थी। मौसम विभाग के अनुसार पहाड़ियों पर हो रही बर्फ़बारी का प्रभाव नगर के मौसम पर दिख रहा है इस कारण पचमढ़ी से इंदौर ठंडा रह रहा है।

तीन माह के बेटे की मां की दर्दनाक मौत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के बाणगंगा क्षेत्र में रहने वाली एक महिला की शुक्रवार सुबह ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। घायल अवस्था में मिलने पर जीआरपी पुलिस उसे इलाज के लिए एमवाय अस्पताल लेकर पहुंची, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस मामले को आत्महत्या की आशंका के तहत जांच में ले रही है। जीआरपी पुलिस के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब 5 बजे निकिता परमार उम्र 35 वर्ष, पत्नी मुकेश परमार, निवासी कर्मा नगर बाणगंगा, लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 के पास गंभीर रूप से घायल हालत में मिली थी। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्काल एंबुलेंस की मदद से उसे एमवाय अस्पताल पहुंचाया। घटना के बाद पुलिस को महिला का मोबाइल फोन मौके से मिला। मोबाइल के जरिए कन्नोद में रहने वाले उसके भाई से संपर्क किया गया। भाई ने इंदौर में रहने वाले चाचा संतोष निवासी राजनगर को सूचना दी।

महावर ने कर्नाटक में कोली समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष कश्यप को दिया कोली समाज प्रकृष्टभूमि का परिपत्र

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कोली समाज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आज कर्नाटक प्रदेश की राजधानी बैंगलोर में कर्नाटक इलेक्ट्रिक बोर्ड के सभागार में सुबह 10 बजे से शुरु होगी, बैठक में भाग लेने हेतु इन्दौर से राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रकाश महावर कोली 19 दिसम्बर को ही कर्नाटक पहुंच चुके हैं, महावर ने राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र कश्यप के निर्देश पर अखिल भारतीय कोली समाज की स्थापना 1967 से लेकर 2025 तक की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के चुनाव, राष्ट्रीय अधिवेशन एवं सम्मेलनों की विस्तृत रिपोर्ट के साथ ही कोली/कोरी समाज की विभिन्न प्रांतों में सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक पृष्ठभूमि पर 35 पेज में तैयार की। जिसे आज राष्ट्रीय महासचिव डी पी शंखवार, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी दयाशंकर कोली, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष विश्व प्रकाश महावर, केशियर विजय महावर एवं उत्तरप्रदेश के मीडिया राम अवतार कोली आदि मौजूद थे।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, शनिवार 20 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

अग्रवाल महासंघ के सौ सदस्यों को अग्रोहा सहित विभिन्न तीर्थस्थलों के लिए बिदाई

इंदौर ●अन्नपूर्णा क्षेत्र अग्रवाल महासंघ के सौ से अधिक सदस्य महाराजा अग्रसेन की राजधानी रहे हरियाणा के अग्रोहा धाम, गीता उपदेश स्थल कुरुक्षेत्र, सालासर बालाजी, खाटू श्याम, जीण माता जैसे तीर्थस्थलों की यात्रा पर प्रस्थित हुए। महासंघ के संरक्षक किशोर गोयल, अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के पूर्व अध्यक्ष संजय बांकडा, संस्था छवि के प्रमुख गोपाल गोयल, मुकेश बृजवासी सहित बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठ बंधुओं ने सभी समाज बंधुओं का स्वागत कर रेलवे स्टेशन पर उन्हें बिदाई दी। महासंघ के अध्यक्ष संजय गोयनका, महामंत्री विष्णु गोयल एवं यात्रा संयोजक पिंकेश मोदी ने बताया कि सभी समाज बंधु रेल मार्ग से पहले कुरुक्षेत्र के लिए प्रस्थित हुए जहाँ से विशेष बसों में सवार होकर अग्रोहा धाम पहुंचेंगे और वहां महाराजा अग्रसेन तथा कुलदेवी महालक्ष्मी के मंदिरों सहित अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों पर दर्शन-पूजन कर समाज एवं राष्ट्र में सुख, शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना करेंगे।

वायईएफ भारत समिट 2025 का आयोजन, सीएम करेंगे उद्घाटन

इंदौर ●यंग एंटरप्रेन्योर्स फोरम भारत के मध्यप्रदेश चैप्टर द्वारा शहर में वायईएफ भारत समिट 2025 का आयोजन शनिवार को किया जा रहा है। यह एक दिवसीय फ्लैगशिप समिट 'नेशन फर्स्ट' की सशक्त विचारधारा से प्रेरित है, जिसका उद्देश्य देश में उद्यमिता को बढ़ावा देना और युवा उद्यमियों को मार्गदर्शन प्रदान करना है। समिट का आयोजन शहर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भोपाल से इंदौर आएंगे और सुबह करीब 11 बजे समिट का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की भी विशेष उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम में देश की जानी-मानी हस्तियां, उद्योग जगत के दिग्गज और प्रभावशाली विचारक शामिल होंगे।

7 मिनट बंद रहा हार्ट...सीपीआर से सांसें लौटीं, जुड़वां जन्में बच्चे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एक महिला ने जिंदगी और मौत के बीच कई बार जंग लड़ी और जीत गई। शादी के सात साल बाद गर्भवती हुई इस महिला के सामने हालात इतने गंभीर हो गए कि डॉक्टरों को प्रेग्नेंसी टर्मिनेट करने की सलाह देनी पड़ी, लेकिन उसने हार मानने से इनकार कर दिया। दरअसल, गर्भ ठहरने के बाद महिला की दोनों किडनियां खराब हो गईं। हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों ने गर्भ समापन की सलाह दी, लेकिन महिला अपने फैसले पर अडिग रही। पांचवें माह में डायलिसिस के दौरान उसे कार्डियक अरेस्ट आ गया और करीब सात मिनट तक उसकी सांसें थम गईं। तत्काल सीपीआर दिया गया, जिसके बाद उसकी सांसें लौट सकीं।

सातवें माह में महिला को पीलिया हो गया, जिससे गर्भस्थ शिशुओं की जान पर भी खतरा मंडराने लगा। हालात को देखते हुए डॉक्टरों को डिलीवरी करानी पड़ी। महिला के हौसले और डॉक्टरों की निगरानी के बीच आखिरकार जुड़वां बच्चों एक बेटा और एक बेटी का जन्म हुआ। दोनों नवजात स्वस्थ हैं और परिवार में खुशियों का माहौल है।

महिला का नाम जागृति पति राहुल कुशवाह (35) निवासी इंदौर है। पति एक हॉस्पिटल में बायो मेडिकल इंजीनियर है। दंपती को सात साल तक कोई संतान नहीं हुई। फिर इस साल जागृति गर्भवती हुई। चार माह तक सब कुछ अच्छा था। 18वें हफ्ते में उसे ब्लीडिंग होने लगी। अगस्त में उसे विशेष ज्यूपिटर हॉस्पिटल में एडमिट कराया। यहां पता चला कि इन्फेक्शन के कारण उसकी दोनों किडनियां खराब हैं।

रोज छह घंटे तक डायलिसिस

जागृति के शरीर में फैले इन्फेक्शन से लिवर में इंजुरी हो गई और मल्टी ऑर्गन्स फैलियर की स्थिति हो गई। डॉक्टरों के मुताबिक आमतौर पर सामान्य जन में किडनी खराब होने पर खतरा तो रहता ही है, लेकिन प्रेग्नेंसी के दौरान 10 गुना बढ़ जाता है। इस पर तत्काल जागृति का डायलिसिस शुरू किया गया। इसके साथ ही एंटीबायोटिक्स दिए गए। रोज छह घंटे डायलिसिस शुरू हो गया।

रिकवर नहीं हो सकती किडनियां

एक्सपर्ट के मुताबिक अगर कोई मरीज डायलिसिस पर चार हफ्ते से ज्यादा निकालता है और किडनी में रिकवरी नहीं होती है तो बायोप्सी की जाती है। 22वें हफ्ते में जागृति की बायोप्सी कराई जो काफी जोखिमपूर्ण थी। डॉक्टरों के पास इसके अलावा कोई विकल्प नहीं था। इसकी रिपोर्ट में पता चला कि अब दोनों किडनियां रिकवर नहीं हो सकती। किडनी खराब होने पर या तो ट्रांसप्लांट की जाती है या मरीज को डायलिसिस पर रखा जाता है। चूंकि महिला गर्भवती थी इसलिए ट्रांसप्लांट नहीं हो सकता था। ऐसे में डॉक्टरों ने जागृति को सुझाव दिया कि वह प्रेग्नेंसी टर्मिट कर खुद का स्वास्थ्य संभालें नहीं तो जोखिम की स्थिति बनी रहेगी।

मेरे लिए बच्चे हैं अनमोल

जागृति का कहना था कि उनके लिए बच्चे अनमोल हैं, क्योंकि सात साल बाद वह गर्भवती हुई है। वह चाहती है कि उसकी डिलीवरी ही हो और घर में किलकारियां गूंजे। रोज डायलिसिस की स्थिति में जागृति की मॉनिटरिंग की गई। 24वें हफ्ते में जागृति के लंग्स में पानी भरने के कारण ऑक्सीजन कम हो गई। सांस लेने में तकलीफ होने के दौरान उन्हें वेंटिलेटर (नॉन इन्वेसिबल) पर लिया गया। इस दौरान हार्ट बंद हो गया तो डॉक्टरों ने उसे 7 मिनट तक सीपीआर दिया, सांसें लौट गई। 7 मिनट के दौरान हार्ट बंद ही रहा। सांस लौटने के बाद उन्हें 24 घंटे वेंटिलेटर पर ही रखना पड़ा। डॉक्टरों के लिए यह बड़ी चुनौती रही। जागृति और उसके पति ने कहा कि डॉ. सनी मोदी और डॉ. जयश्री श्रीधर व टीम को बहुत-बहुत धन्यवाद देते हैं।

पेंशनर अपने अधिकारों के लिये एवं अन्याय के विरुद्ध एकजुट हों, अपनी योग्यता के अनुरूप समाजसेवा में भी योगदान दें

पेंशनर डे पर 35 पेंशनरों को सम्मानित भी किया गया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पेंशनर अपने अधिकारों के लिये एवं अन्याय के विरुद्ध एकजुट हों, अपनी योग्यता के अनुरूप समाजसेवा में भी योगदान दें। उक्त उदगार पेंशनर दिवस समारोह में वक्ताओं ने व्यक्त किए। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन जिला इंदौर द्वारा आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के सहयोग से पेंशनर डे पर पेंशनरों के सम्मान मे आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में जिले के 35 पेंशनरों को सम्मानित किया गया। अभिनव कला समाज हॉल में एसोसिएशन के वरिष्ठ प्रांतीय उपाध्यक्ष रमेशचन्द्र रावल के मुख्य आतिथ्य में तथा प्रांतीय समन्वयक आर के शुक्ला और वरिष्ठ प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं इंदौर सम्भाग प्रभारी भगवतीप्रसाद पंडित के विशेष आतिथ्य एवं पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र मकवानी, हीरालाल खुशाल के सानिध्य में सरस्वतीजी और स्व. डीएस नाकरा की प्रतिमा के माला अर्पण, दीप प्रज्वलन किया गया।

मिड-डे मील योजना की निगरानी में घोर लापरवाही, प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मिड-डे मील योजना की निगरानी में गंभीर लापरवाही रोकने हेतु आवश्यक हस्तक्षेप व सख्त कार्रवाई की मांग के लिए प्रधानमंत्री को कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव ने पत्र लिखा है। इसमें मांग सहित निवेदन किया है कि मप्र में मिड-डे मील योजना की निगरानी को लेकर अत्यंत चिंताजनक स्थिति है, इसलिए आवश्यक कार्रवाई की जाए। पूर्व विधायक एवं अभा. कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव सत्यनारायण पटेल ने बताया कि अनेक समाचार-पत्रों में प्रकाशित रिपोर्टों के अनुसार मप्र के हज़ारों सरकारी स्कूलों में से करीब 16945 का वर्षभर में 1 भी निरीक्षण नहीं किया गया है, जिससे बच्चों को परोसे जाने वाले मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, मात्रा और संचालन की पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लग गया है। इस अति महत्तवपूर्ण राष्ट्रीय योजना का उद्देश्य बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराकर उनका स्वास्थ्य व शिक्षा बेहतर करना है। इसी के अंतर्गत मप्र में निगरानी पर हर साल 795 करोड़ का खर्च एवं भोजन पर 1600 करोड़ का खर्च होता है, पर उक्त योजना में ही इस प्रकार की लापरवाही अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और चिंतनीय है। कहना अनुचित नहीं होगा कि निरीक्षण के अभाव में यह योजना भ्रष्टाचार व अनियमितताओं की शिकार होती जा रही है, क्योंकि कोई देखने वाला ही नहीं है। इससका सीधा दुष्प्रभाव लाखों बच्चों के स्वास्थ्य तथा भविष्य पर पड़ रहा है।

जायंट्स इंटरनेशनल के 50 वें वार्षिक अधिवेशन में मथुरा पहुंचे जायंट्स ग्रुप ऑफ़ मालवा के सदस्य

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अंतर्राष्ट्रीय संस्था जायंट्स इंटरनेशनल का 50वां तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन मथुरा में आयोजित किया गया जिसमें जायंट्स के सेंट्रल कमिटी के मेम्बर इंदौर के श्याम गोयल के नेतृत्व में रमणिक भाई सोनी, अनिल व्यास, सुनील पांडे, एमजी पारीख, डॉ. प्रवीण शर्मा, श्रीमती शकुन गोयल, कामिनी पांडे, उमा व्यास सहित अनेक सदस्यों ने शामिल होकर अपनी सक्रिय मौजूदगी दर्ज कराई। सम्मेलन में देश-विदेश से 2500 से अधिक जायंट्स सदस्य भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर पिछले 50 वर्षों से लगातार जायंट्स इंटरनेशनल को अपनी समर्पित सेवाएँ दे रहे सेन्ट्रल कमिटी के मेम्बर, जायंट्स रत्न श्याम गोयल को जायंट्स के विश्व उपाध्यक्ष एसपी चतुर्वेदी तथा अधिवेशन सचिव मुकेश अग्रवाल ने विशेष रूप से सम्मानित किया। इंदौर से पहुंचे जायंट्स ग्रुप ऑफ़ मालवा के सदस्यों ने इस मौके पर शिक्षा, स्वास्थ्य एवं दिव्यांग सहायता सहित विभिन्न सेवा प्रकल्पों में अपने सक्रिय सहयोग का संकल्प व्यक्त किया। सम्मेलन का समापन रविवार को होगा। इस दौरान जायंट्स इंटरनेशनल द्वारा पूरे विश्व में चलाए जा रहे विभिन्न सेवा प्रकल्पों पर विचार मंथन कर नए वर्ष में शुरू किए जाने वाले अभियान पर भी चर्चा होगी।

इंदौर का पार्षद दल सूरत पहुंचा, बायोडायवर्सिटी पार्क और एसटीपी प्लांट का दौरा किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के बाद स्वच्छता में सबसे आगे गुजरात के सूरत में स्वच्छता का मॉडल समझने के लिए इंदौर का पार्षद दल वहां पहुंच गया है। पार्षद दल सचेतक कमल वाघेला और एमआईसी सदस्य राजेश उदावत ने बताया कि इस भ्रमण का उद्देश्य सूरत नगर निगम द्वारा स्वच्छता, जल प्रबंधन एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अपनाए गए नवाचारों को समझना एवं उन्हें इंदौर में लागू करने की संभावनाओं का अध्ययन करना है। इसी क्रम में पार्षद दल द्वारा सूरत स्थित 125 एमएलडी क्षमता के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का अवलोकन किया गया। उन्होंने बताया कि इस एसटीपी प्लांट से निकलने वाले ट्रीटेड पानी को आरओ लेवल तक शुद्ध किया जाता है, जिसे सूरत शहर के औद्योगिक क्षेत्रों में सप्लाई किया जाता है। इस अभिनव व्यवस्था के माध्यम से सूरत नगर निगम को लगभग 140 करोड़ रुपए से अधिक की आय प्राप्त हो रही है, जो कि जल पुनर्चक्रण एवं राजस्व वृद्धि का उत्कृष्ट उदाहरण है।

कांग्रेस ने चौधरी को बनाया मप्र युवा कांग्रेस का संगठन प्रभारी

युवा कांग्रेस चुनाव में चेतन चौधरी ने निभाई थी महत्वपूर्ण भूमिका

निलेश चौहान (94250-77209)
देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

कांग्रेस पार्टी ने कल युवा कांग्रेस के प्रभारीयो की घोषणा कर दी है जिसमें मेहनत करने वाले कार्यकर्ताओं और जमीन से जुड़े युवाओं को मौका दिया गया है इंदौर के युवा नेता चेतन चौधरी को मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस संगठन प्रभारी बनाया गया चौधरी ने युवा कांग्रेस चुनाव में जमकर पसीना बहाया था और चुनाव में एक तरफ जीत हासिल की छात्र जीवन से अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत चौधरी ने की है कम समय में चौधरी अनेक पदों पर रहे हैं इंदौर जिले के ग्रामीण अंचल में चौधरी का अच्छा खासा दबदबा है युवाओं में खास पहचान है इसका सीधा फायदा कांग्रेस को मिलेगा। चौधरी ने बताया कि पार्टी ने मुझे जो जिम्मेदारी दी है मैं उस पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा गांव-गांव से युवाओं को जोड़ने का काम हम युवक कांग्रेस के माध्यम से करेंगे भाजपा की झूठी घोषणाओं के खिलाफ हम आंदोलन करेंगे किसानों की लड़ाई सड़क से लेकर संसद तक लड़ने का हम

प्रयास करेंगे साथ ही द्वारा 2028 में मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बने इसी लक्ष्य के साथ युवा कांग्रेस मध्य प्रदेश में काम करेगी यही हमारी पहली प्राथमिकता रहेगी

कौन है चेतन चौधरी

चेतन चौधरी पूर्व मंत्री स्वर्गीय रामेश्वर पटेल के नाती और राष्ट्रीय सचिव सत्यनारायण पटेल, राधेश्याम पटेल के भांजे हैं। साथ ही जानकारी में पता चला है कि पटेल परिवार की ओर से राजनीतिक क्षेत्र में चेतन चौधरी को आगे बढ़ाया गया है भविष्य में बड़ी राजनीति के संकेत पटेल परिवार ने चौधरी को दे दिए हैं इसका निर्वाह चेतन खुलकर कर रहे इनकी नियुक्ति पर मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस का संगठन प्रभारी महासचिव की जिम्मेदारी देने के लिए संगठन के शीर्ष नेतृत्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री उदय भानु चिब,प्रदेश प्रभारी शिविसिंह चौहान राष्ट्रीय महासचिव मितेंद्र सिंह, सह प्रभारी रूपेश सिंह प्रदेश अध्यक्ष भाई यश घनघोरिया ने बधाई दी साथ ही देपालपुर से संतोष ठाकुर, राजेश बड़वाया, चंदन सिंह बड़वाया, गौरव पटेल, मिथिलेश जोशी, मुकेश पटेल, रामचरण दयाल, रामदेव पवार, मुंशी गौड़, निराला डगर, ने बधाई दी।

संत विद्वानों के सानिध्य में राम का नाम जीवंत और साकार हो उठता है - जगद्गुरु रामदयाल महाराज

इंदौर ● हम सबके जीवन में राम नाम के बिना सन्मति नहीं मिल सकती। जीवनभर हम दौड़धूप कर चाहे जितनी संपत्ति एकत्र कर लें, सन्मति तो हमें राम नाम से ही प्राप्त होगी। जीवन का सार राम नाम में ही निहित है। धर्मग्रन्थों में भी जीवन को दिशा देने की अनेक अनमोल बातें मिलती हैं लेकिन राम के नाम बिना उन बातों की सार्थकता नहीं हो सकती। संत विद्वानों के सानिध्य में राम का नाम जीवंत और साकार हो उठता है। अन्तर्राष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय के आद्याचार्य स्वामी रामचरण महाराज ने अपने जीवनभर राम नाम की महिमा को जन-जन तक पहुँचाया। हमारी अनंत जन्मों की तपस्या का ही परिणाम है कि हमें इस कलियुग में भी संत महापुरुषों का सानिध्य मिल रहा है। ये दिव्य और प्रेरक विचार हैं अंतर्राष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय के आचार्य स्वामी रामदयाल महाराज के, जो उन्होंने शुक्रवार को छत्रीबाग स्थित रामद्वारा में आयोजित सत्संग सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को आशीर्वचन देते हुए व्यक्त किए। स्वामी रामदयाल महाराज के रामद्वारा आगमन पर रामद्वारा ट्रस्ट की ओर से लक्ष्मी कुमार मुछाल, गिरधर गोपाल नेमा, हेमंत काकानी एवं वासुदेव सोलंकी ने उनकी अगवानी कर आरती उतारी।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौता, बदलती दुनिया में साझेदारी की नई राह

ओमान के साथ भारत ने जिस तरह व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता किया है, वह आने वाले समय में न केवल दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में एक नया आयाम रचेगा, बल्कि बहुध्रुवीय दुनिया में विकल्पों के नए मोर्चे भी सामने आ सकते हैं। बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में भारत और ओमान के बीच गुरुवार को हुए मुक्त व्यापार समझौते को आर्थिक मोर्चे पर एक दूरगामी असर वाली साझेदारी के तौर पर देखा जा सकता है। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों से दुनिया के कई विकसित और शक्तिशाली देश अपने इर्द-गिर्द एक ऐसा घेरा बनाने की कोशिश में हैं, जिसमें तीसरी दुनिया के देशों की उन पर निर्भरता बनी रहे और वे मन-मुताबिक अपनी सुविधा की शर्तें उन पर थोपते रहें। जबकि पारंपरिक रूप से सहयोगी रहे या फिर नए सिरे से संबंध विकसित करने में रुचि रखने वाले देशों के मामले में भारत का रुख पहले भी परिपक्व और उदार रहा है। इस क्रम में अब ओमान के साथ भारत ने जिस तरह व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता किया है, वह आने वाले समय में न केवल दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में एक नया आयाम रचेगा, बल्कि बहुध्रुवीय दुनिया में विकल्पों के नए मोर्चे भी सामने आ सकते हैं। इससे पहले भी भारत ने ताकतवर देशों के प्रभाव में आने के बजाय अपनी जरूरत के मुताबिक सहयोग के मोर्चे पर कदम बढ़ाया है। गौरतलब है कि भारत और ओमान के बीच पिछले करीब सात दशक से अच्छे और कूटनीतिक संबंध रहे हैं। उसी को और मजबूत करने तथा अपने व्यापार को विस्तार देने के उद्देश्य से भारत ने ओमान के साथ अब जिस मुक्त व्यापार समझौते को आकार दिया है, उसके सकारात्मक असर अगले कई दशक तक देखने को मिल सकते हैं। इस करार के बाद दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को नई गति मिलने और खासतौर पर युवाओं के लिए विभिन्न क्षेत्रों में अवसर खुलने की उम्मीद की जा रही है। समझौते के तहत वस्त्र, कृषि उत्पाद और चमड़े के सामान सहित भारत के अट्ठानबे फीसद निर्यात को ओमान में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। वहां के प्रमुख सेवा क्षेत्रों में भारतीय कंपनियों को विदेशी निवेश की अनुमति में भी बड़ी कामयाबी मिली है। इसके अलावा, खाड़ी क्षेत्र में ओमान ऐसा देश है, जहां भारतीय सेना की तीनों शाखाएं नियमित संयुक्त अभ्यास करती हैं। इस लिहाज से देखें तो भारत को जिस तरह पहले से ही ओमान के दुक्म बंदरगाह पर जरूरत होने पर साजो-सामान के उपयोग की सुविधा मिली हुई है।

रुपये में गिरावट के पीछे संरचनात्मक कारण क्या हैं?

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये की गिरावट, 90 के लगभग है इसके कारण सर्वकालिक निचले स्तर ने कई लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हाल तक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को वित्तीय स्थिरता के प्रबंधन और लचीली वित्तीय प्रणाली और मजबूत मैक्रो-इकोनॉमिक संतुलन बनाए रखने के लिए सराहना की जाती थी। लेकिन अब, भावना कम आशावादी हो रही है। सितंबर 2024 से रुपये का 3.2% से अधिक मूल्यह्रास हो गया है और अधिक बंद हो रहा है. और यह सितंबर 2024 के अंत से भारतीय स्टॉक मार्केट (NSE) को ?60 ट्रिलियन या 12.6% मार्केट कैप खोने के साथ जुड़ता है. भारतीय बाजारों पर वैश्विक आवेगों की अनिश्चितताओं के प्रति दृढ़ विश्वास कम हो गया है। स्टोर में जो है वह वैश्विक और घरेलू आवेगों से बंधे संरचनात्मक और चक्रीय दोनों कारकों से जुड़ा हुआ है। आरबीआई ने खुले तौर पर हस्तक्षेपकारी मुद्रा हस्तक्षेप के साथ इसे दबाने की कोशिश की। लेकिन, जैसे ही यह नए सिरे से डॉलर के पलटाव के सामने खुलता है, मूल्यह्रास की गति ऐतिहासिक औसत से अधिक हो सकती है। अमेरिकी डॉलर सूचकांक और ढ्ढह्रक्र-स्ठ के मॉडल सहित हमारा बहु-आयामी ढांचा इंगित करता है कि डॉलर अगले छह से 12 महीनों में 90-92 के स्तर तक गिर सकता है; पूर्वाग्रह एक उच्च और तेज मूल्यह्रास की ओर है।दीर्घावधि परिप्रेक्ष्य से, INR / USD का निष्पादन चक्रीय है, चक्रीय अप-टर्न (उदाहरण के लिए, 2002-2009 के दौरान 18%) के दौरान सराहना करता है और मंदी के दौरान मूल्यह्रास करता है। 2008 में अनुक्रमित, ढ्ढह्रक्र-स्ठ ने अन्य मुद्राओं (38% डॉलर उभरते बाजार सूचकांक, और 21% AE डॉलर सूचकांक) की तुलना में (90%) अधिक मूल्यह्रास किया है क्योंकि विकास अंतर बनाम वैश्विक है।

रुपये का मूल्यह्रास मतलब है कि एक डॉलर खरीदने के लिए अब ज़्यादा रुपये देने पड़ते हैं, जिससे आयात (जैसे कच्चा तेल, इलेक्ट्रॉनिक्स) महंगा हो जाता है और महंगाई बढ़ती है, जबकि निर्यात सस्ता होने से निर्यातकों को फायदा होता है, लेकिन यह अर्थव्यवस्था के लिए मिलाजुला असर डालता है, जिससे अक्सर चालू खाता घाटा (CAD) और विदेशी पूंजी के बाहर जाने (capital flight) का खतरा बढ़ जाता है, जिसे कभी-कभी अर्थव्यवस्था की 'सांस फूलना' कहा जाता है क्योंकि इससे आर्थिक स्थिरता पर दबाव पड़ता है और विकास धीमा हो सकता है। हाल के दिनों में रुपये पर बढ़ते दबाव के पीछे कई कारण हैं, जिनमें डॉलर की मजबूती, बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता और मजबूत विदेशी मांग शामिल हैं। पिछली महत्वपूर्ण गिरावट 2022 में देखी गई थी। पिछले कुछ दिनों से बाजार की अनिश्चितता बढ़ रही है। डॉलर मजबूत हो रहा है। परिणामस्वरूप, निवेशक सुरक्षित निवेश विकल्पों की तलाश कर रहे हैं और डॉलर की ओर रुख कर रहे हैं। रुपया कमजोर हो रहा है और डॉलर की मांग बढ़ रही है। रुपया का 90 के पार जाना भी बाजार के बदलावों का प्रतिबिंब है। अमेरिकी नीतियों का भी रुपये पर असर पड़ रहा है। अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। इसके अलावा, भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते में देरी, अमेरिकी आर्थिक नीतियों और ब्याज दरों के बारे में अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बढ़ती अटकलों के कारण रुपया दबाव में है। साथ ही, पेट्रोल और डीजल, मशीनरी, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक्स और यहां तक कि विदेश यात्रा की कीमतें भी बढ़ जाती हैं। जब रुपया ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गया है तो दबाव कम करने के लिए रिजर्व बैंक डॉलर बेच सकता है। हालांकि, आरबीआई के हस्तक्षेप का सीमित प्रभाव होगा। क्योंकि अभी रुपये पर काफी दबाव है। बाजार अभी भी आरबीआई के अगले कदमों पर करीब से नजर रख रहा है। अमेरिका के साथ एक बड़े व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में देरी से भारतीय रुपये में भारी गिरावट आई है।

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले कुछ हफ्तों में रुपये बचाने के लिए ज्यादा हस्तक्षेप नहीं किया है और विदेशी निवेशक शेयर बाजार से पैसा निकाल रहे हैं, जिससे रुपये पर दबाव पड़ रहा है। कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं, जिससे निवेशकों का मूड और खराब हो रहा है, जिसका मतलब है कि डॉलर की मांग बहुत अधिक है और आपूर्ति कम है, जिससे लगातार गिरावट आ रही है। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की भी आशंका है, जिसका सीधा असर हमारी जेब पर पड़ेगा। लेकिन इस बार, जब रुपया थोड़ा मजबूत हुआ, तो आरबीआई ने डॉलर को ही खरीद लिया। भारत की अर्थव्यवस्था बहुत मजबूत है। जीडीपी की वृद्धि 8.2 प्रतिशत है। हालांकि, डॉलर की मांग में वृद्धि के कारण, इन सकारात्मक पहलुओं पर पानी पड़ गया है और रुपया कमजोर है। इसका मतलब है कि स्थिति वास्तव में अच्छी है; लेकिन डॉलर की भूख अधिक है। मुद्रा में गिरावट का कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) द्वारा दैनिक बिकवाली है। रुपया पिछले आठ महीनों से गिर रहा है और अब एक नए निचले स्तर पर है। रुपये, जो लंबे समय से स्थिर है, पिछले साल 85-90 के निशान को पार कर गया है। हाल ही में, डॉलर के मुकाबले रुपया 25 पैसे गिरकर 90.21 के नए निचले स्तर पर बंद हुआ है। अक्सर यह सुना जाता है कि 15 अगस्त, 1947 को एक डॉलर एक रुपये के बराबर था। यह विचार अच्छा लगता है। लेकिन आर्थिक तथ्य और ऐतिहासिक रिकॉर्ड हमें कुछ और बताते हैं: रिज़र्व बैंक का यह दावा कि भारत की स्वतंत्रता के समय एक रुपया एक डॉलर के बराबर था, सच नहीं है, और केंद्रीय बैंक के दस्तावेज़, आरबीआई, द 1991 प्रोजेक्ट डेटा से पता चलता है कि स्वतंत्रता के समय, भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के बराबर नहीं था। इसलिए ब्रिटिश पाउंड को स्टर्लिंग से जोड़ा गया था। रुपये की विनिमय दर पाउंड द्वारा निर्धारित की जाती थी। उस समय एक पाउंड की कीमत 13.33 रुपये के बराबर थी। उस समय अमेरिकी डॉलर के मुकाबले ब्रिटिश पाउंड का मूल्य 4.03 डॉलर था। भारतीय मुद्रा का पहला बड़ा मूल्यह्रास 1966 में हुआ था। इस दौरान डॉलर के मुकाबले रुपया 4.76 से 7.50 के स्तर पर आ गया। यह उस समय के अशांत समय के कारण था। देश चीन (1962) और पाकिस्तान (1965) के साथ युद्धों से त्रस्त था, जिसने अर्थव्यवस्था को पंगु बना दिया था। 1965-66 में, देश को विदेशी सहायता की सख्त जरूरत थी, और विश्व बैंक और अन्य अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने निर्यात को बढ़ावा देने के लिए भारत को अपनी मुद्रा का अवमूल्यन करने का आदेश दिया। विश्व बैंक और अन्य अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए भारत को अपनी मुद्रा का अवमूल्यन करने का आदेश देने के बाद डॉलर के मुकाबले रुपया 7.50 तक गिर गया। रुपये के मूल्यह्रास के मामले में 1991 देश के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष था। आर्थिक चुनौतियों का सामना करते हुए, देश ने आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत की। इस बार रुपया 21 से 26 तक गिर गया, जो भारत के आर्थिक इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण चरण था। भुगतान संतुलन संकट के कारण, भारत के पास आयात (तेल, आवश्यक वस्तुएं) खरीदने के लिए केवल तीन सप्ताह का विदेशी मुद्रा भंडार था। खाड़ी युद्ध या इराक-कुवैत युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि हुई। नतीजतन, भारत के आयात बिल में काफी वृद्धि हुई। इससे रुपया और कमजोर हो गया। राजनीतिक अस्थिरता ने देश को घेर लिया और निवेशकों का विश्वास कम हो गया। इस संकट से उबरने के लिए तत्कालीन वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और प्रधानमंत्री पी. बहुत। नरसिम्हा राव ने अर्थव्यवस्था को उदार बनाने और निर्यात को सस्ता बनाने और विदेशी मुद्रा लाने के लिए दो चरणों में रुपये का अवमूल्यन करने का फैसला किया। 1991 के बाद देश में गठबंधन की सरकार थी। 1991 से 2008 के बीच रुपया कमजोर होकर 39 रुपये पर आ गया। 2008 की मंदी के बाद डॉलर के मुकाबले रुपया 51 रुपये तक गिर गया था। हालांकि, गिरावट वैश्विक कारकों से प्रेरित थी। अमेरिका में लेहमैन ब्रदर्स बैंक के पतन ने वैश्विक मंदी को जन्म दिया। जोखिम से बचने की मांग करने वाले विदेशी निवेशकों ने भारत जैसे उभरते बाजारों से पैसा निकालना शुरू कर दिया। डॉलर की मांग बढ़ने से रुपया और कमजोर हो गया। रुपये में आखिरी बड़ी गिरावट 2013 में आई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने से पहले, डॉलर के मुकाबले रुपया 55 से 68.80 तक गिर गया था। इस साल, निवेशकों ने इस डर से भारत से महत्वपूर्ण रकम निकाल ली कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व अपने प्रवाह को कम कर देगा। इस अवधि के दौरान, मॉर्गन स्टेनली ने उच्च चालू खाता घाटे (CAD) और मुद्रास्फीति के कारण भारत को 'नाजुक पांच' अर्थव्यवस्थाओं में स्थान दिया। पिछले दो से तीन वर्षों से रुपया डॉलर के मुकाबले 84.85 पर कारोबार कर रहा था। डोनाल्ड ट्रम्प 2025 में दूसरी बार अमेरिकी राष्ट्रपति बने और जवाबी टैरिफ का खेल शुरू हुआ। टैरिफ की धमकी देकर व्यापार समझौता करने का दबाव डाला गया। कुछ देशों ने टैरिफ वापस ले लिया और टैरिफ को कम या समाप्त कर दिया। हालांकि, भारत ने अपने व्यापारिक हितों से समझौता करने से इनकार कर दिया। इससे ट्रंप प्रशासन नाराज हो गया। अगस्त में अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की थी। इससे अमेरिका को भारतीय उत्पादों के निर्यात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। विदेशी निवेशकों ने भी बड़ी संख्या में बिकवाली की। नतीजतन, रुपया कमजोर हो गया। जबकि सरकार का मानना है कि रुपये के हालिया अवमूल्यन ने देश की अर्थव्यवस्था को बड़े पैमाने पर मदद की है, कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि रुपये का अवमूल्यन हमेशा कमजोरी का संकेत नहीं होता है। 1991 के बाद से, बाजार रुपये का अवमूल्यन कर रहा है। कभी-कभी, रुपये का अवमूल्यन निर्यातकों (जैसे आईटी कंपनियों और दवा कंपनियों) के लिए फायदेमंद होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि वे डॉलर में कमाते हैं और रुपये में परिवर्तित होने पर अधिक पैसा कमाते हैं। रुपये को स्थिर करने के लिए सरकार और रिजर्व बैंक को अमेरिका के साथ व्यापार समझौता करने के अलावा अन्य तरीकों से रुपये को स्थिर करने के लिए एक मजबूत नीति विकसित करनी चाहिए। देश की निर्यातोन्मुखी सुविधाओं में सुधार और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार को रोकने से भी रुपये को स्थिर करने में मदद मिल सकती है।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

आज 4 घंटे बिजली कटौती, 30 से अधिक इलाकों में अलग-अलग समय पर सप्लाई बंद

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर• आज 4 घंटे बिजली कटौती रहेगी। सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक चरणबद्ध तरीके से कटौती की जाएगी। बिजली कंपनी ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है। बिजली कंपनी के सहायक यंत्री (एचटी मेंटेनेंस) रोहित भारती के अनुसार, सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक 11 केवी मोटर स्टैंड फीडर और 11 केवी रेस्ट हाउस फीडर पर मेंटेनेंस किया जाएगा। इस दौरान सिलमपुरा, जड़ियावाड़ी, राजपुरा, मेन पोस्ट ऑफिस, तहसील कार्यालय, नेहरू हॉस्पिटल, जय स्तंभ, गुजराती मार्केट से पांडुमल चौराहा, ज्ञानवर्धनी सभागृह, टेम्पो स्टैंड, प्रकाश टॉकीज, शिकारपुरा पानी की टंकी, प्रतापपुरा, पंचमुखी हनुमान, सिलमपुरा बस स्टैंड, एलआईसी ऑफिस, मीरा हॉस्टल और संजय नगर पार्ट-ए के आसपास बिजली बंद रहेगी।

मंडी और हरीरपुरा फीडर भी रहेंगे बंद

इसी समय 11 केवी मंडी फीडर और 11 केवी हरीरपुरा फीडर के रखरखाव के कारण शनवारा गेट, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, उर्दू स्कूल, लोहार मंडी, खानभाई आइस फैक्ट्री, साड़ी बाजार, सब्जी मंडी, सुभाष चौक, मिलन चौराहा, दीदार टॉवर, फव्वारा चौक, सिटी कोतवाली, अंडा बाजार, सलूजा

टिम्बर मार्ट, आरको कॉम्प्लेक्स, ठाकुर साहब का पेट्रोल पंप, कृषि उपज मंडी, मला लाइन और हरीरपुरा क्षेत्र प्रभावित होंगे। दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक एक बार फिर 11 केवी मोटर स्टैंड फीडर पर आवश्यक कार्य किया जाएगा। इस दौरान सिलमपुरा, जड़ियावाड़ी, राजपुरा, मेन पोस्ट ऑफिस, तहसील कार्यालय, नेहरू हॉस्पिटल, जय स्तंभ, गुजराती मार्केट से पांडुमल चौराहा, ज्ञानवर्धनी सभागृह, टेम्पो स्टैंड और प्रकाश टॉकीज के आसपास बिजली सप्लाई बाधित रहेगी। दोपहर 2 बजे से 3 बजे तक 11 केवी ओपीएच फीडर के रखरखाव के कारण उपकार नगर, द्वारकापुरी, लक्ष्मी माता मंदिर, ताप्ती हॉस्पिटल, आदर्श कॉलोनी, बृजधाम कॉलोनी, इंद्र नगर, गोपाल नगर और आसपास के इलाकों में बिजली नहीं रहेगी। बिजली कंपनी ने स्पष्ट किया है कि कार्य की स्थिति के अनुसार बिजली कटौती के समय में कमी या बढ़ोतरी की जा सकती है।

मिर्ची झोंककर लूट की कहानी फर्जी निकली, पुलिस के सामने भाईयों की ज्वाइंट फैमिली, 6 लाख का कर्ज

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • गुरूवार देर रात आदिवासी समाज के एक बड़े किसान के साथ लूट की वारदात होने की घटना सामने आई थी। किसान ने आंखों में मिर्च झोंककर बाइक सवार 2 से 3 अज्ञात बदमाशों पर डेढ़ लाख रूपए लूटने का आरोप लगाया था। बताया था कि मक्का की फसल बेचकर मंडी से घर लौट रहा था। घर पहुंचने से पहले ही रास्ते में उसके साथ वारदात हो गई। इधर, मामले में बोरगांव चौकी पुलिस ने जांच शुरू की तो सुबह होने तक कहानी फर्जी निकल गई। देर रात 10 बजे पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। घटनास्थल को देखकर पुलिस को संदेह हुआ और किसान से मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ की तो वह टूट गया। लूट की कहानी गढ़ने के पीछे कर्ज की वजह बताई। उसने कहा कि, कर्ज के बारे में परिवार को जानकारी नहीं है। लूट बताकर वह कर्ज चुकता कर देता।

5 भाईयों की ज्वाइंट फैमिली और 6 लाख का कर्जा

किसान टंट्या पिता काशीराम बारेला ने बताया कि, वह 5 भाईयों के साथ संयुक्त परिवार में रहता हैं। एक भाई तो आर्मी है। घर-परिवार में कोई समस्या नहीं है। लेकिन पूरा दारोमदार उसी पर है। खेती-किसानी में उस पर 6 लाख रूपए का कर्जा हो गया। 4 लाख रूपए का बैंक से केसीसी लोन है, बाकी दो लाख रूपए उसने सूदखोरों से लिए हैं। फसल बेचकर उन्हें कर्जा चुकाना था। सूदखोरों से कर्ज लिया, यह बात परिवार को पता ना चले इसलिए उसने यह दूसरा तरीका अजमाया।

सुसाइड का ख्याल आया, रेलवे पटरी पर चले गया था

पुलिस पूछताछ के दौरान किसान टंट्या बारेला ने कहा कि, भारी-भरकम कर्ज और खासकर, वह उन सूदखोरों से परेशान हो गया, जो रात-दिन उसे तंग कर रहे थे। ब्याज पर ब्याज लगाकर कर्ज दोगुना करते जा रहे थे। इस साल फसल का उत्पादन भी उम्मीद के मुताबिक नहीं हुआ। जिसके चलते उसे सुसाइड के ख्याल आए, उसकी मंशा सुसाइड करने की थी। इसके लिए वह रेलवे ट्रैक पर भी गया। लेकिन परिवार का ख्याल आया तो रेलवे ट्रैक से उतरा और घर की रसोई के लिए बाजार से लेकर जा रही मिर्ची को खुद पर उड़ेल लिया। दोस्तों को फोन कर घटना बताई और उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

पुलिस को 8 घंटे तक परेशान होना पड़ गया

बोरगांव चौकी प्रभारी रामप्रकाश यादव ने बताया कि, किसान टंट्या से लूट की वारदात होने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो घटनास्थल देखकर ही संदेह हुआ। शंका होने पर किसान को चौकी लाकर पूछताछ की। पुलिस टीम को 8 घंटे तक मशक्कत करना पड़ी। कई गांवों के सीसीटीवी फुटेज भी चेक किए। किसान ने लूट की कहानी गढ़ने के पीछे कर्ज की बात बताई। फिलहाल किसान को उसके रिश्तेदारों के सुपुर्द कर दिया है।

खंडवा में देर रात किसान से डेढ़ लाख की लूट

खंडवा में चार महीने की कड़ी मेहनत से उगाई फसल बेचकर लौट रहे एक किसान के साथ लूट की बड़ी वारदात सामने आई है। ग्राम कोहदड़ की रेलवे मोरी के पास बदमाशों ने किसान की आंखों में मिर्च डालकर उससे एक लाख 50 हजार रुपए लूट लिए। घटना के बाद किसान की आंखें अब तक नहीं खुल पा रही हैं।

महिला बाल विकास अधिकारी को नोटिस जारी, संचालनालय ने पूछा- कोर्ट में खुद जवाब देना था

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • जिला कार्यक्रम अधिकारी (महिला एवं बाल विकास विभाग) को भोपाल संचालनालय ने दो दिन पहले नोटिस जारी किया है। डीपीओ रत्ना शर्मा को तलब किया गया है कि वे 7 दिन के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें। शर्मा ने नियमों के खिलाफ जाकर एक न्यायालयीन प्रकरण में अपने अधीनस्थ अधिकारी को जवाबदार नियुक्त कर दिया था। खालवा क्षेत्र की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रेणु सोनी ने जबलपुर हाईकोर्ट में याचिका लगा रखी है। उन्होंने नियुक्ति के संबंध में कोर्ट में केस लगा रखा हैं। यह केस रेणु सोनी बनाम मध्यप्रदेश शासन है। इसी मामले में शासन की ओर से खंडवा के महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी को कोर्ट में हाजिर होकर जवाब प्रस्तुत करना था। लेकिन जिला कार्यक्रम अधिकारी रत्ना शर्मा ने खालवा की सीडीपीओ नेहा यादव को प्रभारी नियुक्त कर दिया। दरअसल, कोर्ट के मामलों में शासन की ओर से जवाब देने के लिए आहरण एवं संवितरण अधिकारी जिम्मेदार होता हैं। 2015 के बाद से सीडीपीओ से आहरण एवं संवितरण के अधिकार छीन लिए गए हैं। जिले में सिर्फ जिला कार्यक्रम अधिकारी यानी डीपीओ के पास ही आहरण एवं संवितरण के अधिकार हैं। बावजूद रत्ना शर्मा ने सीडीपीओ नेहा यादव को प्रभारी अधिकारी नियुक्त कर दिया। संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग भोपाल ने नोटिस जारी कर जिला कार्यक्रम अधिकारी के 4 नवंबर के आदेश को नियम विरुद्ध हैं। संचालनालय ने स्पष्ट किया कि, परियोजना अधिकारी, बाल विकास परियोजना खालवा को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है, जबकि प्रभारी अधिकारी नियुक्त करने के लिए डीपीओ अधिकृत नहीं हैं।

23 दिसंबर को राज्यपाल का दौरा, कलेक्टर-एसपी ने हेलीपैड का किया निरीक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • राज्यपाल के प्रस्तावित दौरे को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। कार्यक्रम से पहले कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बुरहानपुर जिले में 23 दिसंबर को राज्यपाल मंगुभाई पटेल के प्रस्तावित दौरे के मद्देनजर कलेक्टर हर्ष सिंह और पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पाटीदार ने ग्राम डवालीखुर्द में बनाए गए हेलीपैड का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान हेलीपैड की सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, यातायात प्रबंधन और अन्य आवश्यक इंतजामों की समीक्षा की गई ।कलेक्टर हर्ष सिंह ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी तैयारियां समय पर और व्यवस्थित ढंग से पूरी की जाएं, ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी तरह की अव्यवस्था न हो। निरीक्षण के बाद कलेक्टर और एसपी डवालीकलां पहुंचे, जहां सांसद खेल महोत्सव के तहत आयोजित खेल प्रतियोगिताओं का अवलोकन किया। उन्होंने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साह बढ़ाया और खेलों के महत्व पर चर्चा की। इस दौरान कलेक्टर हर्ष सिंह और एसपी देवेंद्र पाटीदार ने विद्यार्थियों के साथ क्रिकेट खेलकर उन्हें खेलों के प्रति प्रोत्साहित भी किया।

69वी राष्ट्रीय शालेय कराते स्पर्धा संपन्न

मध्यप्रदेश को ओवर आल खिताब

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● 69वी राष्ट्रीय पांच दिवसीय कराते स्पर्धा स्कुल गेम्स आफ फेडरेशन के द्वारा संम्पन्न हुई । मुख्य अतिथि डेलीकालेज के अध्यक्ष महाराज विक्रम सिह पंवार थे। इस अवसर पर महाराज विक्रम सिह पंवार ने खिलाड़ियों को अपने संबोधन मे कहा कि बच्चो को बचपन से ही कराते ओर तेरना जरूर सीखना चाहिए क्योकि ये दोनो विषम परिस्थति मे सुरक्षा करना सिखाती है। इस स्पर्धा मे 14वर्ष के बालक बालिका खिलाड़ियों ने अलग अलग वजन समुह मे भाग लिया इसमे म.प्र.के बालक बालिकाओं खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 29 प्रदेशो मे अपना दबदबा कायम कर दोनो वर्गो मे विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। प्रचार प्रसार समीति के अनुराग तिवारी प्रकाश गौड दिनेश परमार ने बताया कि इसमे बालक वर्ग मे मध्यप्रदेश ने पांच स्वर्ण.एक सिल्वर.मेडल प्राप्त कर सर्वाधिक अंक लाकर प्रथम स्थान रहा उपविजेता तमिलनाडु तृतीय स्थान पर सी.बी.एस.सी रहा ।

बालिका 14 वर्ष वर्ग मे मध्यप्रदेश सात स्वर्ण दो कांस्य पदक व सर्वाधिक अंक प्राप्त कर विजेता रही। उपविजेता विधाभारती दो स्वर्ण एक सिल्वर दो कांस्य पदक प्राप्त कर रहा। तृतीय स्थान पर सी.बी.एस.सी एक स्वर्ण, तीन सिल्वर, एक कांस्य प्राप्त कर रहा.। खिलाड़ियों को चेम्पियनशिप ट्राफी महाराज विक्रम सिह पंवार जिलाशिक्षाअधिकारी डा. शांता स्वामी भार्गव खेल अधिकारी सुनिल अवस्थी एज जी एफ आई की मुक्ता बब्बर ने प्रदान की। इस अवसर पर सभी समीतीयों के प्रभारीयों का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया स्पर्धा के बेहतर व्यवस्था के लिए जितेन्द्र धाईघुडे नवीन गौड का विशेष सम्मान किया महाराजसाहब व जिलाशिक्षाअधिकारी द्वारा किया गया। आयोजन मे व्यायाम शिक्षक अनिल गौड संजय वर्मा अनिता भारती मीना डामोर मीना शेडंगे महेन्द्र मेहराल परितौष गुप्ता मोजुद थे। आभार खेल अधिकारी सुनिल अवस्थी व संचालन सुनयना शर्मा ने किया।

भारत एशिया कप के फाइनल में, कल पाकिस्तान से होगी भिड़ंत

दुबई (एजेंसी) ● अंडर-19 एशिया कप 2025 का फाइनल मुकाबला अब और भी ज्यादा धमाकेदार हो गया है। अपने-अपने सेमीफाइनल मैच जीतकर भारत और पाकिस्तान ने फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। जहां ओर टीम इंडिया ने श्रीलंका को मात दी, वहीं पाकिस्तान ने बांग्लादेश को हरा दिया है। दुबई में चल रहे अंडर-19 एशिया कप 2025 में भारतीय टीम एशिया कप ट्रॉफी के लिए 21 दिसंबर को पाकिस्तान से भिड़ेगी। भारत ने श्रीलंका को बारिश से प्रभावित अंडर-19 एशिया कप 2025 के पहले सेमीफाइनल में आठ विकेट से करारी शिकस्त दी। टूर्नामेंट में भारत की यह लगातार चौथी जीत है। भारत ने इस जीत के साथ फाइनल में जगह बना ली है, जहां उसका सामना पाकिस्तान से होगा। शुक्रवार 19 दिसंबर को दुबई के आईसीसी अकेडमी ग्राउंड पर श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट खोकर 138 रन बनाए।

इसके जवाब में भारतीय टीम ने विहान और आरोन की अर्द्धशतकीय पारियों की बदौलत 12 गेंद शेष रहते जीत हासिल की। भारत ने सेमीफाइनल में 18 ओवर में दो विकेट पर 139 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। 139 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज और कप्तान आयुष म्हात्रे सिर्फ सात रन ही बना सके। विस्फोटक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी छह गेंद में नौ रन बनाकर आउट हुए। विहान और आरोन ने अर्द्धशतकीय पारी खेली और दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी हुई। आरोन जॉर्ज ने 49 गेंद में नाबाद 58 रन बनाए, जबकि विहान मल्होत्रा ने 45 गेंद में नाबाद 61 रन का योगदान दिया। आरोन ने विजयी चौका लगाया।

फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के प्रमोशन में जुटे कार्तिक

मुंबई (एजेंसी) ● फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के प्रमोशन में अभिनेता कार्तिक आर्यन जुटे हुए हैं। फिल्म के प्रमोशन के लिए अहमदाबाद पहुंचे कार्तिक ने काम के बीच स्वाद से भरा एक खास ब्रेक लिया। गुजरात की मशहूर मिठाइयों का आनंद लेते हुए कार्तिक दिल के आकार की जलेबी और कुरकुरे फाफड़ा खाते नजर आए। कार्तिक आर्यन ने इस खास पल की झलक अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की। वीडियो में वह दिल के शेप वाली जलेबी को दो हिस्सों में तोड़ते हैं और फिर मुस्कुराते हुए उसका स्वाद लेते दिखाई देते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कुछ तस्वीरें भी पोस्ट कीं, जिनमें वह मिठाई के साथ पोज़ देते हुए और फाफड़ा से सजी प्लेट दिखाते नजर आ रहे हैं। उनका यह देसी अंदाज़ फैन्स को काफी पसंद आ रहा है और पोस्ट पर जमकर लाइक्स और कमेंट्स आ रहे हैं। इस पोस्ट को कार्तिक ने खास कैप्शन के साथ शेयर किया, जिसमें उन्होंने तलविंदर के गाने 'तेनु ज़्यादा मोहब्बत कर बैठे' का जिक्र किया। यह गाना उनकी अपकमिंग फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के साउंडट्रैक का हिस्सा है। 13 दिसंबर को रिलीज़ हुआ यह गाना प्यार के उस नाज़ुक और भावुक पहलू को दिखाता है, जिसमें मोहब्बत के साथ दर्द भी शामिल होता है। इस ट्रैक को लेकर कार्तिक पहले ही कह चुके हैं कि दिल टूटना भी 'प्यार का एक रंग' है। 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' को लेकर दर्शकों में अच्छा-खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

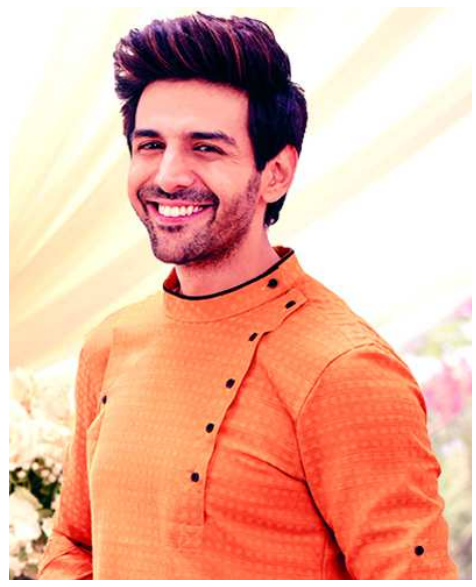

अंकिता लोखंडे ने पुराने दौर को याद किया

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने फिल्म इंडस्ट्री के सुनहरे दौर को याद करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है। इस वीडियो में अंकिता, अभिनेत्री माधुरी दीक्षित के मशहूर गाने 'पालकी पे होके सवार' पर अपने भावपूर्ण एक्सप्रेशंस और खूबसूरत डांस के जरिए उस दौर को श्रद्धांजलि देती नजर आ रही हैं। अंकिता ने यह वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा कि 80-90 के दशक के गाने सिर्फ सुनने के लिए नहीं होते थे, बल्कि उन्हें दिल से महसूस किया जाता था। उन्होंने माधुरी दीक्षित को महज एक अभिनेत्री नहीं, बल्कि एक एहसास बताया। अंकिता ने यह भी सवाल उठाया कि क्या आज की पीढ़ी को वैसी आवाजें, वैसी अदाएं और वैसा जादू फिर से देखने-सुनने को मिलेगा।

उज्जैन संभाग

शिप्रा पर बना रहे समानांतर पुल, यातायात व भीड़ प्रबंधन में मिलेगी मदद

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के तहत शिप्रा नदी पर यातायात के लिए इंदौर रोड स्थित पुराने पुल के समानांतर एक नया उच्च स्तरीय 150 मीटर लंबा पुल बनाया जा रहा है। इंदौर से उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं को महाकाल मंदिर और आगामी सिंहस्थ मेला क्षेत्र तक पहुंचने में आसानी हो।

डेढ़ लाख सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ, सीएम और धीरेंद्र शास्त्री के शामिल होने की संभावना

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●इंजीनियरिंग कॉलेज ग्राउंड पर शनिवार सुबह सर्व सनातनी संस्था के तत्वावधान में धार्मिक आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में राम धुन के साथ डेढ़ लाख सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा। इसके साथ ही 1008 हनुमान मंदिरों के ध्वजों की महाआरती भी होगी। आयोजन में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के शामिल होने की संभावना है। आयोजकों का दावा है कि श्रीराम धुन के इस कार्यक्रम में करीब 20 हजार से अधिक श्रद्धालु शामिल होंगे। आयोजन को लेकर इंजीनियरिंग कॉलेज ग्राउंड पर विशाल डोम का निर्माण किया जा रहा है, जहां 20 हजार से अधिक श्रद्धालु एक साथ बैठ सकें। आयोजन समिति के रोहित सिंह ने बताया कि सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ के बाद 1008 हनुमान ध्वज जिले के विभिन्न हनुमान मंदिरों में अर्पित किए जाएंगे।

महाकाल दर्शन: चारधाम से लगेगी लाइन, साल के अंतिम दिनों में बदलेगी व्यवस्था, नव वर्ष के लिए मंदिर समिति ने बनाया प्लान

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●श्री महाकालेश्वर मंदिर में वर्ष के अंतिम दिनों और नए साल पर लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। जिला और मंदिर प्रशासन ने भक्तों को सुगम दर्शन कराने के लिए व्यापक योजना तैयार की है। शुक्रवार को कलेक्टर और एसपी सहित अन्य अधिकारियों ने इन व्यवस्थाओं की समीक्षा की। विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में वर्ष के अंतिम सप्ताह से लेकर नए वर्ष के पहले सप्ताह तक लाखों दर्शनार्थी आते हैं। इसी को देखते हुए मंदिर समिति ने प्रवेश, निकास और अन्य व्यवस्थाओं का विस्तृत प्लान बनाया है। शुक्रवार को कलेक्टर रोशन कुमार सिंह और एसपी प्रदीप शर्मा ने इन व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि भीड़ प्रबंधन के लिए शीघ्र दर्शन टिकट की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। मंदिर परिसर में 28 दिसंबर से 4 जनवरी तक अतिरिक्त पुलिस बल और कार्यपालिक दण्डाधिकारियों को शिफ्ट के अनुसार तैनात किया जाएगा। इस समीक्षा बैठक में प्रशासक प्रथम कौशिक, एडीएम अतेंद्र सिंह, निगम कमिश्नर अभिलाष मिश्रा, उप प्रशासक सिम्मी यादव, एसएन सोनी, एएसपी आलोक शर्मा, सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

चलित भस्म आरती की व्यवस्था

सामान्य दर्शनार्थियों के लिए चारधाम मंदिर पार्किंग से प्रवेश मिलेगा। वे शक्ति पथ, त्रिवेणी संग्रहालय, नंदीद्वार और श्री महाकाल महालोक होते हुए मानसरोवर भवन, फेसेलिटी सेंटर-01 और नवीन टनल-01 से गणेश मण्डपम पहुंचेंगे, जहां से भगवान महाकाल के दर्शन कर सकेंगे। दर्शन के बाद श्रद्धालु आपातकालीन निर्गम द्वार से बड़ा गणेश मंदिर, हरसिद्धि मंदिर तिराहा होते हुए वापस चारधाम मंदिर पहुंचेंगे। अत्यधिक भीड़ की स्थिति में श्रद्धालुओं को फेसेलिटी सेंटर-01 से सीधे कार्तिकेय मण्डपम् में प्रवेश दिया जाएगा। इसके बाद उन्हें द्वार नंबर 10 या निर्माल्य द्वार के रास्ते बाहर निकाला जाएगा। दर्शन मार्ग और मंदिर परिसर में सीसीटीवी कैमरों से कंट्रोल रूम द्वारा 24 घंटे निगरानी रखी जाएगी। भस्म आरती दर्शन के लिए 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक ऑनलाइन और 31 दिसंबर को ऑफलाइन पंजीकरण बंद रहेगा। श्रद्धालुओं के लिए भस्म आरती के दौरान कार्तिकेय मण्डपम से चलित भस्मआरती दर्शन की व्यवस्था सुबह 4:15 बजे से की जाएगी।

वाहन पार्किंग व्यवस्था

श्रद्धालु कर्कराज, भील समाज धर्मशाला, कलोता समाज धर्मशाला, कार्तिक मेला ग्राउंड, मेघदूत पार्किंग और हरिफाटक ब्रिज के नीचे वाहन पार्क कर सकेंगे। चारधाम पार्किंग और म्यूजियम के सामने बड़े स्तर पर जूता स्टैंड बनाए जाएंगे। लड्डू प्रसाद काउण्टर, प्राथमिक उपचार सुविधाएं, पेयजल वितरण,पूछताछ एवं सहायता केंद्र के अस्थाई काउन्टर लगेंगे।

चिकित्सा सहायता

मानसरोवर भवन, त्रिवेणी मण्डपम, श्री महाकाल लोक कंट्रोल रूम, मंदिर परिसर, निर्गम द्वार,फेसेलिटी सेंटर, हरसिद्धी चौराहा, चारधाम मंदिर पार्किंग स्थल पर 24×7 चिकित्सा दल, एम्बुलेंस और ऑक्सीजन की सुविधा रहेगी।

घाटों पर सेफ्टी चेन तो दूर, रस्सी तक नहीं :शिप्रा घाटों पर सुरक्षा का 13.30 करोड़ रु. का प्लान निरस्त

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● शिप्रा नदी के घाट कितने सुरक्षित हैं, यह रामघाट पर देख सकते हैं। नदी में उतरते ही न तो उन्हें पानी की गहराई का अंदाजा लगता और न ही सेफ्टी के लिए कोई चेन है, यहां सुरक्षा के लिए रस्सी तक नहीं बांधी है। श्रद्धालु गहराई में जाकर डूबने लगते हैं। पिछले दो साल में कुल 615 लोगों को यहां डूबने से बचाया है। साढ़े तीन साल पहले अधूरी तैयारी के चलते नदी के घाटों के कायाकल्प करने और सुरक्षा व्यवस्था आदि के लिए 13.30 करोड़ रुपए का प्लान मंजूर कर टेंडर जारी कर दिया, लेकिन काम ही शुरू नहीं हो पाया। अब नगर निगम की ओर से शिप्रा के घाटों का जीर्णोद्धार करने के लिए 100 करोड़ रुपए से अधिक की डीपीआर बनाकर इसे स्वीकृति के लिए भोपाल भेजी है। स्वीकृति मिलने के बाद इसके टेंडर जारी कर काम शुरू किया जाएगा। रामघाट पर दो वर्षों के भीतर करीब 615 लोगों को होमगार्ड के जवानों ने नदी में डूबने से बचाया है। वर्ष 2024 में कुल 370 लोगों को रामघाट पर डूबने से बचाया था। वहीं 2025 में अब तक 245 लोगों को बचाया है।घाटों पर सेफ्टी चेन और समानांतर प्लेटफॉर्म नहीं होने से श्रद्धालु गहराई में जाकर डूबने लगते हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए होमगार्ड के जवानों को तीन शिफ्टों में ड्यूटी लगाई जाती है। घाटों पर चेंजिंग रूम नहीं है। इसके कारण विशेष रूप से महिलाओं को परेशानी होती है। श्रद्धालुओं के डूबने की कई घटनाएं सामने आने के बाद स्मार्ट सिटी की ओर से जून 2022 में 13.30 करोड़ रुपए से घाटों के कायाकल्प व सुरक्षा सहित अन्य कामों का प्लान तैयार किया था। तत्कालीन निगमायुक्त अंशुल गुप्ता ने प्लान मंजूर करवाया। ग्वालियर की सुदर्शन इंजीनियरिंग वर्क एजेंसी का टेंडर स्वीकार करते हुए वर्कऑर्डर जारी कर दिया। आर्किटेक्ट और इंजीनियरों की टीम ने घाटों का सर्वे किया, लेकिन अधूरी तैयारी के साथ टेंडर जारी होने के बाद भी कोई काम नहीं हो सका। आखिरकार टेंडर निरस्त किया। शासन स्तर पर इसे इसलिए खारिज किया, क्योंकि यह काम केवल कुछ चुनिंदा घाटों के लिए ही तैयार किया था।

'सड़क नहीं-वोट नहीं' के नारे, ग्रामीणों ने निकाली विरोध रैली; उपचुनाव के बहिष्कार का ऐलान

दैनिक इंदौर संकेत

आगर - मालवा ● जिला पंचायत सदस्य के उपचुनाव से पहले जिले में ग्रामीणों का आक्रोश सामने आया है। गुरुवार को ग्राम अमरकोट और सरदारपुरा के ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की मांग को लेकर विरोध रैली निकाली और चुनाव बहिष्कार का ऐलान किया। रैली के दौरान ग्रामीणों ने 'सड़क नहीं तो वोट नहीं' के नारे लगाए।

ग्रामीणों का कहना है कि अमरकोट से सरदारपुरा तक करीब ढाई किलोमीटर लंबी सड़क पिछले 78 वर्षों से नहीं बन पाई है। सड़क नहीं होने से अमरकोट, सरदारपुरा, त्रिलोकपुर, धतुरिया, मैनपुर और रामपुरिया सहित छह गांवों के करीब 3000 ग्रामीण प्रभावित हो रहे हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि सड़क निर्माण को लेकर सांसद, विधायक और जिला कलेक्टर तक कई बार आवेदन और ज्ञापन सौंपे गए, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लगातार उपेक्षा से नाराज ग्रामीणों ने अब लोकतांत्रिक तरीके से विरोध का रास्ता अपनाया है।

उपचुनाव से पहले चुनाव बहिष्कार का फैसला

ग्रामीणों ने साफ कहा कि 28 दिसंबर को होने वाले जिला पंचायत सदस्य उपचुनाव में तब तक मतदान नहीं करेंगे, जब तक सड़क निर्माण का कार्य शुरू नहीं किया जाता। उनका कहना है कि बुनियादी सुविधा सड़क के बिना विकास की बातें बेकार हैं।

रैली में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल

रैली के दौरान ग्रामीण हाथों में बैनर-पोस्टर लेकर गांव की गलियों से गुजरे और प्रशासन व जनप्रतिनिधियों के खिलाफ नारेबाजी की। इस प्रदर्शन में कैलाश विश्वकर्मा, रामनारायण विश्वकर्मा, अशोक सोलंकी, महेश चौधरी, नेमीचंद जैन, अनिल जैन, सीताराम गुर्जर, प्रभुलाल गुर्जर, अमरलाल मेघवाल, रामकिशन सहित दोनों गांवों के बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि जब तक सड़क निर्माण की मांग पूरी नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

न्यूज ब्रीफ

तथ्यों और जिम्मेदारी के साथ अपनी बात रखें प्रदेश प्रवक्ता

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शुक्रवार को पार्टी कार्यालय में प्रदेश प्रवक्ताओं के साथ बैठक की। बैठक में प्रदेश प्रवक्ताओं को सौंपे गए दायित्वों, मीडिया में पार्टी की भूमिका, जनहित के मुद्दों पर की गई गतिविधियों एवं अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा की गई। प्रवक्ताओं के कार्य प्रदर्शन, मीडिया संवाद की प्रभावशीलता और संगठनात्मक समन्वय को लेकर भी चर्चा हुई। पटवारी ने कहा कि वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में प्रवक्ताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने निर्देश दिए कि भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों, विफलताओं और जनता से जुड़े मुद्दों को तथ्यों एवं जिम्मेदारी के साथ मीडिया और समाज के समक्ष रखा जाए। साथ ही संगठन के कार्यक्रमों, आंदोलनों और जनसंघर्षों को प्रभावी ढंग से प्रचारित किया जाए। मप्र कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने कहा कि मीडिया के साथ निरंतर, समन्वित और सकारात्मक संवाद समय की जरूरत है।

यातायात श्रमिकों के लिये विशेष नेत्र परीक्षण शिविर का हुआ आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में श्रम विभाग द्वारा यातायात श्रमिकों के लिये लगातार शिविर लगाये जा रहे है। इसी सिलसिले में शुक्रवार को वीआईपी ट्रेवल्स डिपो, राजीव गांधी चौराहा में कार्यरत मोटर यातायात श्रमिकों हेतु नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में यातायात श्रमिकों की आखों की नि:शुल्क जांच की गई तथा उन्हें सुरक्षा संबंधी उपायों और नियम-कानूनों के बारे में बताया गया। सहायक श्रम आयुक्त श्रीमती मेघना भट्ट ने बताया कि श्रमिकों को श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं अधिनियमों के प्रावधानों की जानकारी दी गई। साथ ही ई श्रम पंजीयन के लाभ से अवगत कराते हुए कतिपय श्रमिकों के ई श्रम पंजीयन की कार्यवाही भी की गई।

कैलाश विजयवर्गीय ने विधानसभा में पूर्व मुख्यमंत्रियों की तारीफ की तो दिग्विजय सिंह ने कहा- धन्यवाद कलाकार जी!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश विधानसभा के विशेष सत्र में इस बार शोर, आरोप-प्रत्यारोप या तल्खी नहीं, बल्कि राजनीति की ऐसी तस्वीर सामने आई, जिसकी आज के दौर में कल्पना मुश्किल मानी जाती है। संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का भाषण सत्ता और विपक्ष की सीमाओं को लांघता हुआ राजनीतिक सौजन्यता, स्वीकार्यता और परिपक्वता का उदाहरण बन गया। कैलाश विजयवर्गीय ने अपने उद्बोधन की शुरुआत करते हुए कहा, मैं आज कसम खाकर आया हूं कि निगेटिव बात नहीं करूंगा, सिर्फ पॉजिटिव बात करूंगा। इसके बाद उन्होंने जो कहा, वह आज की आक्रामक राजनीति के बीच सधा हुआ, संतुलित और साहसी वक्तव्य बन गया।

कैलाश विजयवर्गीय ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के 10 वर्षीय कार्यकाल (1993 से 2003) को याद करते हुए उनकी योजनाओं और फैसलों की जमकर तारीफ की। बात चाहे संजय गांधी थर्मल पॉवर प्लांट की हो या इंदौर आईआईएम की। विजयवर्गीय ने दिग्विजय को इनके निर्माण का पूरा श्रेय दिया। साथ यह भी कहा कि दिग्विजय सिंह से उनकी अच्छी दोस्ती थी।

अब इसके जवाब में दिग्विजय सिंह ने विजयवर्गीय के भाषण का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी है। दिग्विजय ने जवाब में लिखा कि 'बहुत- बहुत धन्यवाद कलाकार जी। आज के राजनीतिक प्रतिशोध के वातावरण में आपने जो मेरे बारे में कहा है, वह आम राजनेता कभी भी नहीं कह सकता।

विजयवर्गीय का पूरा भाषण- कैलाश विजयवर्गीय ने कहा, दिग्विजय सिंह की महिमा अपरम्पार है। वे 1993 से लेकर 2003 तक मुख्यमंत्री रहे। बहुत

सारी बातें हैं, उनके लिए कहने को...पॉजिटिव भी और निगेटिव भी। मैं आज कसम खाकर आया हूं कि निगेटिव मुझे नहीं बोलना है। आज सिर्फ पॉजिटिव चर्चा करूंगा। विजयवर्गीय ने कहा, संजय गांधी थर्मल पॉवर प्लांट उनकी (दिग्विजय सिंह) की कल्पना से बना था। बाणसागर परियोजना को बहुत गति देने का काम भी उन्होंने किया। कोलार जल परियोजना उसमें भी उनकी बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका रही। मुझे कहते हुए गर्व है कि उस समय अर्जुन सिंह मानव संसाधन मंत्री थे। इंदौर में आईआईएम (आईआईएम इंदौर) लाने के लिए दिग्विजय सिंह ने प्रयास किए थे। हम सब लोगों के प्रयास से वहां आईआईएम भी आया और आईआईटी भी आया। इंदौर पहला शहर है, जहां आईआईटी भी है और आईआईएम भी है। उसमें अर्जुन सिंह, दिग्विजय सिंह और हमारे मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा का बहुत बड़ा योगदान रहा। विजयवर्गीय के इस बयान पर कांग्रेस विधायक डॉ.राजेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि आज दिग्विजय सिंह के बारे में बड़ी वार्ता हुई। उन्होंने पूछा कि ये विधानसभा के रिकॉर्ड में तो बना रहेगा ना? हम बाद में चर्चा कर सकते हैं। इसके जवाब में विजयवर्गीय ने कहा कि ये मैं ऑन रिकॉर्ड बोल रहा हूं। ये रिकॉर्ड में आना चाहिए। मैं इसे लोकतंत्र का पवित्र मंदिर मान रहा हूं। मंदिर जैसे आदमी झूठ नहीं बोलता, वैसे ही आज किसी भी व्यक्ति को झूठ नहीं बोलना चाहिए।

- ऐसे ही मैं दिग्विजय सिंह की भी तारीफ करूंगा। राजनीतिक सौजन्यता क्या होती है, ये हमने उनसे सीखा है। मुझे याद आता है, हमारे जबलपुर के कार्यकर्ता थे ओंकार तिवारी। उन्हें अटैक आया। मैंने दिग्विजय सिंह को फोन किया। मेरी बड़ी मित्रता थी।
- इंदौर बीजेपी ग्रामीण जिला कमेटी में पार्टी की लाड़ली बहनें/नेत्रियां दरकिनार, विधायक उषा और मनोज पटेल भी नाराज
- इंदौर में नकली आयुर्वेदिक सिरप फैक्ट्री सील, बिना लैब और मंजूरी के घर में बन रही थीं दवाएं
- उन्होंने तत्काल हेलिकॉप्टर मंगवाकर ओंकार तिवारी को दिल्ली भेजने की व्यवस्था की। ये गुण दिग्विजय सिंह का है। कोई भी व्यक्ति हो, चाहे विरोधी भी हो, उनके दरवाजे पर पहुंच जाए, वे पूरी मदद करते।
- दिग्विजय सिंह ने कहा- विजयवर्गीय के इस भाषण पर दिग्विजय सिंह ने कहा, कैलाश विजयवर्गीय ने जो कहा उसके लिए साहस चाहिए और केवल खुले विचारों वाला व्यक्ति ही कह सकता है। काश आपकी और हमारी पार्टी में कुछ और लोग भी ऐसे होते। जय सिया राम...!

ज्योतिरादित्य सिंधिया बोले-

जी राम जी से उन्हीं का पेट दुख रहा जिन्हें पीएम ने कहा था ना खाऊंगा ना खाने दूंगा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया दो दिवसीय दौरे पर इंदौर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) मचे घमसान को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा है। साथ ही लोकसभा में विपक्ष नेता राहुल गांधी की गैरमौजूदगी व विदेश यात्रा पर भी सिंधिया ने तंज कसा है। बता दें कि आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक 2025 यानी त्न क्रूत्न के नाम से बिल पास हुआ है।

राहुल गांधी पर यह बोले सिंधिया-सिंधिया ने जी राम जी के कांग्रेस की तरफ से किए जा रहे विरोध और राहुल गांधी के बयान पर तंज कसा। उन्होंने कहा, राहुल यदि लोकसभा विपक्ष के नेता हैं, तो संसद में रहें। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी इस समय विदेश दौरे पर हैं।

इन लोगों का इस बिल से दुख रहा पेट- सिंधिया-सिंधिया ने जी

रामजी बिल को लेकर विपक्ष के विरोध पर कहा कि जो लोग चोरी करते थे। जहां पूरा काम मशीन से काम किया जाता था। कागज पर बिल बनते थे, लेकिन लोगों के खाते में पैसा नहीं पहुंचता था। यह चोरी अब इस बिल से रोकी जाएगी। सीधा-सीधा ग्रामीण अंचल के लोगों के खाते में पीएम के द्वारा जी राम जी बिल के जरिए राशि पहुंचाई जाएगी। यह उन लोगों के ही पेट दुख रहे हैं, जिनको पीएम ने कहा था ना खाऊंगा ना खाने दूंगा। आमजन के हित की योजना है, देश बढ़ रहा है। जो लोग देश को जंजीरों में जकड़ना चाहते हैं, उनकी नकरात्मक सोच को जनता ने बार-बार जवाब दिया है। यह जीरामजी बिल देश, किसान, रोजगार और युवा हित में है।

कांग्रेस दस हजार करोड़ भी नहीं देती थी मनरेगा में-सिंधिया ने कहा कि- जी रामजी बिल पर कोई विवाद नहीं है, संसद में पूर्ण बहुमत से इसे पास किया है। जनता के हित में जो योजना प्रधानमंत्री ने बनाई है, जिसमें पहले 100 दिन का रोजगार मिलता था। अब सवा सौ दिन का रोजगार सुनिश्चित किया गया है।

संपूर्ण ग्रामीण क्षेत्र में एक-एक व्यक्ति को रोजगार का अवसर मिलेगा। ये प्रधानमंत्री की सोच और विचारधारा है। जिस समय कांग्रेस ने यह बिल लाया था। दस हजार करोड़ की राशि भी नहीं दी जाती थी, अब जीरामजी में एक लाख करोड़ से ज्यादा का प्रावधान है। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, घटेंगे नहीं।

मॉल का नक्शा निरस्त, 100 फीट चौड़ी बनेगी सड़क

भमौरी प्लाजा से एरोप्लेन चौराहे तक सड़क निर्माण का भूमिपूजन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में बन रही मास्टर प्लान की 23 सड़कों में भमोरी प्लाजा चौराहा से एरोप्लेन चौराहा तक 100 फीट सड़क बनाई जाएगी। इसके लिए भमोरी प्लाजा से गिरधर महल तक 7 ऐसे नक्शे मंजूर किए गए, जो कि 30 मीटर के बजाय 18 मीटर चौड़ाई के हिसाब से मंजूर हो गए हैं। इसमें एज्यूर मॉल का नक्शा भी शामिल है, जिसको निरस्त किया है। इसके साथ ही एक अन्य नक्शा भी निरस्त हो रहा है। बाकी 5 को लेकर निगम अफसरों का कहना है कि वे रोड की चौड़ाई के हिसाब से ही पास हुए हैं।

शुक्रवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने निर्माण के लिए भूमिपूजन किया। यह विशेष केंद्रीय सहायता योजना एवं निगम के अंतर्गत शहर में 19 करोड़ से अधिक की लागत से बनाई जाएगी। जनकार्य प्रभारी राजेंद्र राठौर ने बताया कि 16.76 करोड़ की लागत से भमोरी चौराहे से एमआर-10 तथा राजशाही गार्डन होते हुए एरोप्लेन चौराहे तक सड़क बनाई जाएगी। इसके बाद यह सड़क आवागमन को अधिक सुगम, सुरक्षित एवं तेज बनाएगी। इसके साथ ही बापट चौराहे के समीप मेघदूत सर्विस रोड पर 2.44 करोड़ की लागत से 18 मीटर लंबाई एवं 12 मीटर चौड़ाई की पुलिया के लिए भी भूमिपूजन किया गया।

10वीं-12वीं की परीक्षा में पूछेंगे छोटे उत्तर वाले प्रश्न

दो माह पहले मंडल ने जारी किया प्रश्न-पत्रों का फॉर्मेट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

रीवा ● दसवीं-बारहवीं की परीक्षा में छोटे उत्तर वाले प्रश्न अधिक पूछे जाएंगे। परीक्षा के दो माह पहले मंडल ने प्रश्नपत्रों का फॉर्मेट जार किया है। स्कूलों में परीक्षा तैयारी इसके आधार पर कराई जाना है माध्यमिक शिक्षा मंडल की परीक्षा 7 फरवरी से शुरू हो रही है। प्रदेश भर से करीब 18 लाख स्टूडेंट इसमें शामिल होंगे। स्कूलों बच्चों क परीक्षा तैयारी बेहतर कराने के लिए मंडल ने सभी विषयों के सैंपल पेपन जारी किए है। यह पेपर भी दसवी बारहवीं की अर्द्धवार्षिक परीक्षा होने के बाद जारी किए हैं। माशिमं

के जारी आदेश में कहा गया है कि हाईस्कूल व हायर सेकेंडरी परीक्षा 2025-26 के लिए परीक्षा पैटर्न के आधार पर प्रश्न-पत्रों के पैटर्न की जानकारी के लिए मुख्य विषयों के अभ्यास के लिए सैंपल पेपर मंडल की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। इन प्रश्न-पत्रों का मुख्य परीक्षा में उपयोग होने वाले प्रश्न-पत्र से कोई संबंध नहीं है।

भारत निर्वाचन आयोग के सीनियर डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर ने ली बैठक

एसआईआर : दूसरा फेज 23 से होगा शुरू, मतदाताओं से लिए जाएंगे दावे-आपत्ति

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य का दूसरा चरण 23 दिसंबर से प्रारंभ होगा। 23 दिसंबर को ही प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। इसी दिन से दावे-आपत्ति लेने का कार्य प्रारंभ होगा जो आगामी 22 जनवरी तक चलेगा। भारत निर्वाचन आयोग के सीनियर डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर डॉ. पवन कुमार शर्मा ने शुक्रवार को इंदौर में निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक लेकर जिले में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी शिवम वर्मा सहित जिले की सभी विधानसभा

क्षेत्रों के एसडीएम, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एईआरओ) उपस्थित रहे। बैठक में डॉ. पवन कुमार शर्मा ने निर्देश दिए कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य निर्धारित समय-सीमा में, पूर्ण पारदर्शिता और शुद्धता के साथ पूर्ण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची में नाम जुड़वाने से वंचित न रहे तथा कोई भी अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी शिवम वर्मा ने जिले में अब तक हुई प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि एसआईआर के अंतर्गत अधिकांश कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं। बैठक में अब तक पूर्ण हुए कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ आगामी चरणों पर विशेष चर्चा की गई।

एसआइआर के सर्वे के बाद इंदौर जिले की नौ विधानसभाओं में 4 लाख 47 हजार 124 मतदाता कम हो सकते है। कुल 24 लाख 2 हजार 17 मतदाताओं की ही ऑनलाइन एंट्री हो पाई है। देपालपुर में 28 हजार 854, विधानसभा एक में 75 हजार 14, दो में 72 हजार 970, तीन में 47 हजार 44, चार में 38 हजार 852, पांच में 87 हजार 591, महू में 27 हजार 673, राऊ में 54 हजार 415 और सांवेर में 24 हजार 811 मतदाता कम हुए हैं।

जिले में 4.66 प्रतिशत मतदाता अनमैप, नोटिस जारी होंगे

डॉ. पवन कुमार शर्मा ने बताया कि अब दावा-आपत्ति की सुनवाई का चरण प्रारंभ होगा। इसके अंतर्गत जिले में लगभग 4.66 प्रतिशत अनमैप मतदाताओं को नोटिस जारी किए जाएंगे। आयोग द्वारा निर्धारित दस्तावेजों के आधार पर संबंधित मतदाताओं को अपने दावे प्रस्तुत करने होंगे, जिनकी सुनवाई ईआरओ एवं एईआरओ स्तर पर की जाएगी और नियमानुसार निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि दावा-आपत्ति की यह प्रक्रिया लगभग एक माह तक चलेगी, जिसके बाद आगामी चरण की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अब प्रशासन का पूरा फोकस इसी चरण पर रहेगा और इसके लिए जिले की पूरी टीम तैयार है। बैठक में बताया गया कि मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ईआरओ कार्यालय मतदाताओं के नजदीक और सुगम स्थानों पर स्थापित किए गए हैं, ताकि उन्हें दूर न जाना पड़े। यह भी सुनिश्चित किया गया है कि एक दिन में 50 से अधिक प्रकरणों की सुनवाई न हो, जिससे निष्पक्ष और बेहतर ढंग से सुनवाई संभव हो सके।

ईओडब्ल्यू ने करोड़ों के फ्राड में केशव प्रोटीन्स संचालकों और धार के लाभांशी ट्रेडर्स संचालकों पर की एफआईआर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● ईओडब्ल्यू इंदौर ने एक बार फिर एक्शन दिखाते हुए दो फर्म संचालकों के खिलाफ ठोस कार्रवाई की है। इन दोनों मामलों में संचालकों के जरिए बैंकों के साथ करोड़ों की धोखाधड़ी की गई है। एक फर्म ने 6.87 करोड़ का, तो दूसरी फर्म ने 22.88 करोड़ का धोखा दिया है। इस प्रकार कुल 29.75 करोड़ की धोखाधड़ी में दो बड़ी कार्रवाई आर्थिक अन्वेषण शाखा ने की है।

पहली एफआईआर के तहत मामला 6.87 करोड़ की धोखाधड़ी का है। इसमे मेसर्स केशव प्रोटीन्स एंड ऑर्गेनिक एल.एल.पी. और उनके पार्टनर नवनीत गर्ग एवं प्रवीण दादू शामिल है।

फर्म के जरिए वर्ष 2021 में एचडीएफसी बैंक स्नेह नगर से 7.41 करोड़ रुपए का ऋण लिया गया था। इसे बाद में बढ़ाकर 8.72 करोड़ रुपए किया गया था। लोन के लिए फर्म के जरिए स्टॉक का वैल्यूएशन बढ़ा-चढ़ाकर किया गया था। बाद में राशि का डायवर्सन अन्य जगह कर दिया गया था। मेसर्स केशव प्रोटीन्स एंड ऑर्गेनिक, पार्टनर प्रवीण दादू पिता रमेशचन्द निवासी- 422, पारसी मोहल्ला, महू जिला इंदौर एवं अन्य। उपरोक्त आरोपियों के खिलाफ अपराध धारा 409, 420 एवं 120-बी के तहत केस पंजीबद्ध हुआ है।

इनके खिलाफ जांच सत्यापन में पाया गया कि आरोपियों द्वारा बिना वास्तविक सामग्री क्रय किए स्टॉक को बढ़ा-चढ़ाकर दर्शाया गया और बैंक खातों से डायवर्सन ऑफ फंड्स किया गया। आरोपियों के जरिए उक्त ऋण खाता लगभग दो वर्षों तक संचालित किया गया था। इसके बाद शेष राशि 6.87 करोड़

रुपए जमा नहीं की गई थी। इससे बैंक के जरिए खाता एन.पी.ए. घोषित किया गया था। इस प्रकार बैंक को 6.87 करोड़ रुपए की आर्थिक क्षति होना प्रथम दृष्टया पाया गया है। एक अन्य मामले में ईओडब्ल्यू ने 22.88 करोड़ के बैंक लोन फ्राड में केस दर्ज किया है। यह केस मेसर्स लाभांशी ट्रेडर्स के डायरेक्टर्स के खिलाफ दर्ज की गई है। घटना के मुताबिक, डायरेक्टर्स और गारंटरर्स ने 2019 में 2.50 करोड़ रुपए का लोन लिया था। साथ ही 2.50 करोड़ रुपए की कैश क्रेडिट लिमिट प्राप्त किया गया था। यह लोन मशीनरी खरीदने के लिए दि कॉसमोस को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड से लिया गया था। इसके बाद, लोन की लिमिट बढ़ाकर 21.50 करोड़ रुपए कर दी गई थी। आज की स्थिति में बैंक की बकाया राशि 22 करोड़ 88 लाख 37 हजार 875 रुपए है। आयुष अग्रवाल पिता राजेन्द्र कुमार सिंघल, उम्र- 32 वर्ष, निवासी- 03 प्रकाश नगर, थाना नौगांव, जिला धार (डायरेक्टर एवं गारंटर मेसर्स लाभांशी मल्टीट्रेड प्रा.लि.) अनूप सिंघल पिता राजेन्द्र कुमार सिंघल, उम्र- 36 वर्ष, निवासी- 03 प्रकाश नगर, थाना नौगांव, जिला धार (डायरेक्टर एवं गारंटर मेसर्स लाभांशी मल्टीट्रेड प्रा.लि.) अंकुश सिंघल पिता राजेन्द्र कुमार सिंघल, उम्र- 42 वर्ष, निवासी- 03 प्रकाश नगर, थाना नौगांव, जिला धार (गारंटर)। राजेन्द्र कुमार सिंघल पिता बाबूलालजी सिंघल (अग्रवाल), उम्र- 62 साल, निवासी- 03 प्रकाश नगर, थाना नौगांव, जिला धार (गारंटर) एवं अन्य।

इस तरह किया घोटाला-जांच में आया कि मेसर्स लाभांशी मल्टीट्रेड प्रा.लि. के उपरोक्त डायरेक्टर्स एवं गारंटरर्स ने बैंक की बिना अनुमति एवं बिना सूचना के स्टॉक में उपलब्ध अनाज चना, सोयाबीन आदि को खुर्द-बुर्द कर दिया। उक्त स्टॉक बैंक में बंधक था। यह बिना बैंक की अनुमति के नहीं बेचा जा सकता था।

इस प्रकार आरोपीगण के जरिए बैंक से प्राप्त ऋण राशि का धोखाधड़ी पूर्वक गबन किया जाना प्रथम दृष्टया पाया गया है। इस आधार पर उपरोक्त आरोपियों के खिलाफ धारा 409, 420 एवं 120-बी भारतीय दंड संहिता के तहत केस पंजीबद्ध किया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।